CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पिलग्रिम्स पब्लिशिंग

हिन्दी पुस्तकों की संग्रह-सूची २००८-९

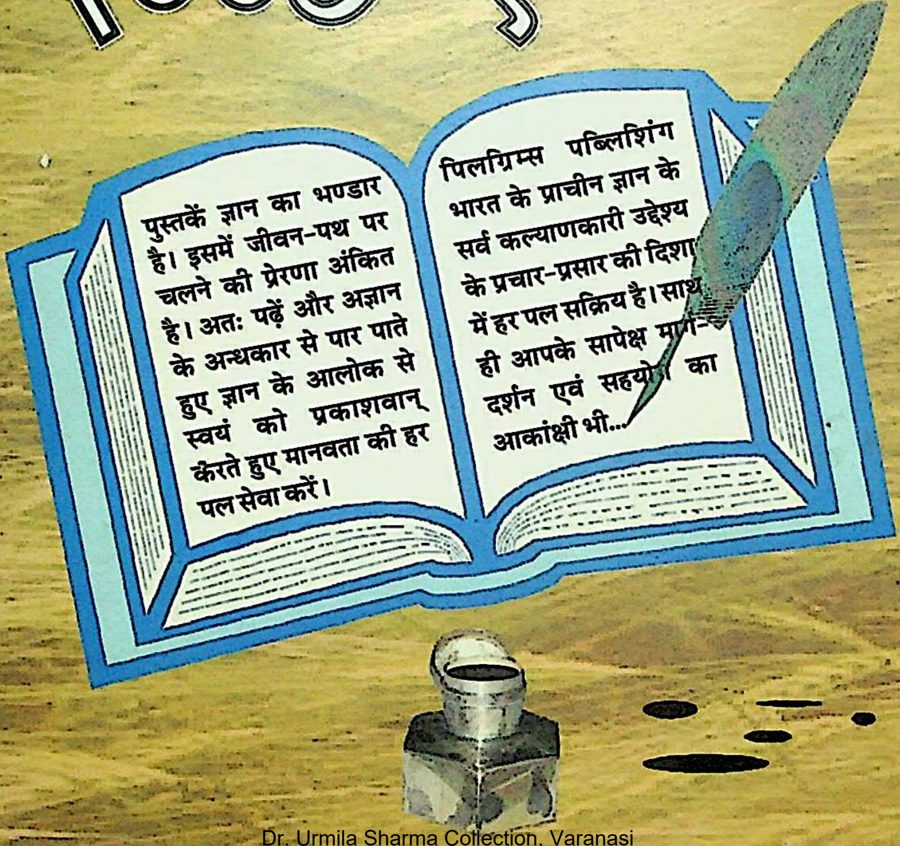

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पिलग्रिम्स पब्लिशिंग

हिन्दी पुस्तकों की सूची

२००८-०९

PILGRIMS

पिलग्रिम्स पब्लिशिंग
◆ वाराणसी ◆

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्रकाशक	:	रामा नन्द तिवारी
	:	श्रीमती पुष्पा तिवारी
व्यक्तिगत सहायक	:	अरविन्द तिवारी 'श्याम'
मुख्य सम्पादक (हिन्दी)	:	गोपाल ठाकुर (एम. ए, एम. एड.)
मुख्य सम्पादक (अंग्रेजी)	:	क्रिस्टोफर एन. बर्चेट
महा प्रबंधक (पिलग्रिम प्रेस प्रा. लि.)	:	आशुतोष द्विवेदी
प्रोडक्शन प्रबंधक	:	कृष्णा नन्द तिवारी
मार्केटिंग ऍग्ज़िक्यूटिव	:	राकेश जायसवाल
ई-कामर्स ऍग्ज़िक्यूटिव	:	महितोष वर्मा
कम्प्यूटर आर्ट ग्राफिक	:	आशा मिश्रा
कम्प्यूटर टाइप एवं लेआउट	:	सुरेश जायसवाल
कम्प्यूटर टाइप एवं लेआउट	:	नित्यानन्द उपाध्याय
कम्प्यूटर टाइप एवं लेआउट	:	रुही बर्चेट
कम्प्यूटर मैनेजर	:	आशीष श्रीवास्तव
कोआर्डिनेटर (प्रेस एवं पब्लिशिंग)	:	प्रियंका शर्मा
वेब मास्टर	:	पॉल वैगनर

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्रकाशक के दो शब्द...

स्नेही भाईयों एवं बहनों,

सादर प्रणाम,

पुस्तकें मानव सभ्यता तथा संस्कृति के क्रमिक विकास का तार्किक प्रमाण है, क्योंकि अज्ञान के अंधकार में भटकते पथिक को ज्ञान एवं प्रज्ञा के प्रकाश से आलोकित करना ही इनका एकमात्र उद्देश्य होता है। इस दिशा में पिलग्रिम्स पब्लिशिंग ने सहयोगी संस्थान 'पिलग्रिम्स बुक हाउस' और 'पिलग्रिम प्रेस' के साथ पुस्तक प्रेमियों की अभिरूचि को ध्यान में रखते हुए हिन्दी में ज्ञानवर्धक पुस्तकों का प्रकाशन किया है।

भारतवर्ष के सर्वकालिक कल्याणकारी ज्ञान पर आधारित आयुर्वेद, शास्त्रीय संगीत, योग, स्वास्थ्य, ज्योतिष-शास्त्र, सन्त साहित्य तथा सामाजिक, राजनैतिक, ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित बहु-उपयोगी पुस्तकों का प्रकाशन हमारा लक्ष्य है, वह भी उचित मूल्यों पर। इसके अतिरिक्त हम विश्व वांग्मय के उत्थान एवं चतुर्दिक प्रगति की दिशा में उल्लेखनीय साहित्यिक कृतियों के प्रकाशन हेतु संकल्पित हैं।

मैं अध्ययन प्रेमियों से अनुग्रह कर रहा हूं कि वे समय-समय पर उचित मार्गदर्शन करते रहें, जिससे कल्याणकारी पुस्तकों के प्रकाशन की दिशा में पिलग्रिम्स पब्लिशिंग सदैव सक्रिय रहे।

आपका स्नेहाकांक्षी

रामानन्द

रामा नन्द

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सम्पादक की कलम से...

वर्तमान आधुनिक युग के तेजी से बदलते परिवेश में जीवन के सभी क्षेत्रों में अनेक चुनौतियां पैदा हो गईं हैं, चाहे वह भौतिक सुख सुविधाओं का दायरा हो या आर्थिक समृद्धि का, चाहे तकनीकी खोज का क्षेत्र हो या ज्ञानार्जन का व्यापक वांग्मय। सभी स्थिति-परिस्थिति में मूल्य, परम्परा, संस्कृति की अवधारणाओं में व्यापक परिवर्तन हुआ है। विशेषत: शर्तें बदली हैं ज्ञानार्जन के लिये और वह यह है कि व्यक्तित्व का समग्र विकास किसे कहते हैं? आजकल एक ओर जहां आर्थिक विकास को समग्रता का पूरक माना जा रहा है तो दूसरी ओर आर्थिक प्रगति को अपूर्णता का परिचायक बताते हुए कहा जा रहा है कि स्वस्थ अन्तर्मन के लिये अध्यात्मिक उन्नति एवं उपलब्धि आवश्यक है, जबकि भौतिक एवं अध्यात्मिक चुनौतियों में समन्वय स्थापित करना एक बड़ी चुनौती है, जिसमें अध्ययन-मनन और चिन्तन से ही संतुलित समन्वय स्थापित किया जा सकता है। पिलग्रिम्स पब्लिशिंग चतुर्दिक विकास हेतु सभी सार्थक प्रयास करने के संकल्प के लिये प्रतिबद्ध है।

भारतीय दर्शन ने प्राचीन काल से ही जीवन की पूर्णता के लिये समग्र विकास हेतु धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष को आवश्यक नियम बताते हुए कहा है कि इसमें एक के भी अभाव से जीवन कभी भी पूर्णता प्राप्त नहीं कर सकता। लेकिन वर्तमान समय में आर्थिक समृद्धि को ही पूर्णता का प्रतीक मान लिया गया है, जिसका दुष्प्रभाव सर्वत्र दिखाई दे रहा है। मानवीय संवेदनाओं का तार टूट चुका है और अनियंत्रित काम के वामाचार से समस्त समाज त्रस्त है तथा धर्म का ताना-बाना ध्वस्त हो चुका है एवं मोक्ष सिर्फ कोरी कल्पना का अज्ञात तथ्य बन चुका है।

ऐसे दिग्भ्रमित वातावरण में लेखक, पुस्तकें तथा पुस्तक प्रकाशन संस्थाओं के समक्ष एक ऐसी दुरुह चुनौती खड़ी हो चुकी है कि आर्थिक विकास को सर्वांगीण विकास मानते हुए जिस प्रकार आज के सभी लोग अज्ञानता की अंधी गली में दौड़ रहे हैं, उसका अंतिम बिन्दु सर्वनाश ही है। सर्वांगीण विकास उसी को कहते हैं, जिसमें आर्थिक, मानसिक एवं शारीरिक विकास के साथ साथ अर्थ, धर्म, काम एवं मोक्ष की प्रगति सुनिश्चित हो। लेकिन वर्तमान में इस संतुलन का दुष्प्रभाव सर्वत्र देखा जा रहा है। सभी लोग स्वार्थ के वशीभूत होकर एकमात्र अर्थ प्राप्ति के लिये

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

भाग रहे हैं और होड़ मची है एक दूसरे को पीछे छोड़ने का, जबकि होना यह चाहिये कि सर्व प्राप्ति हेतु सबको साथ लेकर चला जाये। भारतीय दर्शन में सामूहिक विकास पर बल प्रदान किया गया है, जिसमें सभ्यता, परम्परा, संस्कृति, भाषा, जीवन-व्यवहार आदि के अलावा अध्यात्मिक प्रगति अन्तर्निहित हो।

पिलग्रिम्स पब्लिशिंग का प्रथम और अंतिम सिद्धान्त एवं उद्देश्य यही है कि मानवता के सर्वांगीण विकास की दिशा में सर्वग्राह्य तार्किक पुस्तकों का हिन्दी भाषा में प्रकाशित किया जाये, वह भी सरल एवं बोधगम्य भाषा-शैली में। अध्यात्म, आयुर्वेद, योग तथा संगीत विद्या तो सदियों से सम्पूर्ण विश्व में शांति और अहिंसा की लयात्मक तरंगे बिखेर रहा है। यह सर्वविदित है कि प्राचीन काल से ही चारो वेद-ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद तथा अठारह पुराण और एक सौ आठ उपनिषद् में सृष्टि के शुभारंभ बिन्दु से लेकर अब तक या जन्म से मृत्यु तक की सभी अवस्थायें और मृत्यु के बाद की रहस्यमय स्थिति पर विस्तृत प्रमाणिक प्रकाश डाला गया है। ऋग्वेद अगर सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक शास्त्रों का जीवंत दस्तावेज है तो यजुर्वेद जीवन-नीति, सामवेद संगीत और अथर्ववेद आयुर्वेद, योग, तंत्र-मंत्र का दर्पण है। पुराण पौराणिक कथानक से मर्यादित जीवन का राह सुझाता है तो उपनिषद अमर ऋषि-महर्षियों के स्व-अनुभव पर मानवता का संदेश देता है।

विश्व बन्धुत्व, शांति एवं सर्वकल्याण का संदेशवाहक अपने भारतीय दर्शन का अनुसरण करते हुए पिलग्रिम्स पब्लिशिंग कालजयी ज्ञानपरक तथ्यों पर आधारित सर्वकालिक एवं सर्वोपयोगी पुस्तकों के प्रकाशन के लिये वचनबद्ध है। पिलग्रिम्स पब्लिशिंग ने ऐसा किया भी है। आयुर्वेद, योग, संगीत एवं मर्यादित जीवन-नीति विषयों पर पुस्तकें अब तक प्रकाशित किया गया है, वह भी आकर्षक कलेवर तथा सरल हिन्दी शब्दों में।

हां, पाठकों की सुविधा को ध्यान में रखकर आधुनिक प्रिंटिंग मशीनों से युक्त पिलग्रिम प्रेस एवं पिलग्रिम्स बुक हाउस स्थापित किया जा चुका है, जिससे हम पाठकों की हर सम्भव सेवा कर सकें। हम विश्वास दिलाते हैं कि पिलग्रिम्स पब्लिशिंग सदुपयोगी हिन्दी पुस्तकें सदैव प्रकाशित करता रहेगा। हमारी आकांक्षा है कि पाठक-गण समय-समय पर हमारा उचित मार्गदर्शन अवश्य करें।

गोपाल ठाकुर
मुख्य सम्पादक (हिन्दी)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अनुक्रमणिका

क्रम सं.	विषय	पृष्ठ सं.
१.	नवीन प्रकाशन	१
२.	अध्यात्म, धर्म और तीर्थ	११
३.	आयुर्वेद	१५
४.	इस्लाम	१८
५.	इतिहास	१९
६.	उपन्यास और कहानी	२२
७.	काम-कला	२४
८.	खगोल विज्ञान	२५
९.	गांधी दर्शन	२६
१०.	गीत-गान	२८
११	ज्योतिष	३१
१२.	जीवन नीति उपदेश (मोटीवेशन)	३४
१३.	प्रेरक जीवन चरित्र	३५
१४.	बुद्ध दर्शन	३९
१५.	बालकों के लिये	४०
१६.	योगासन एवं व्यायाम	४१
१७.	विविध	४३
१८.	संगीत	४४
१९.	स्वास्थ्य	४४
२०.	हिन्दी साहित्य	४५
२१.	नेपाली भाषा की पुस्तकें	४६
२२.	हिन्दी की शीघ्र प्रकाश्य पुस्तकें	४७
	पुस्तक सूची-पत्र	५८

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नवीन प्रकाशन

श्रीमद्भगवद्गीता मानव मात्र के कर्त्तव्याकर्त्तव्य का निर्धारण करने वाला दिव्य-शास्त्र है, क्योंकि यह ग्रन्थ भगवान श्रीकृष्ण की वह शब्दमयी अभिव्यक्ति है, जो विषम परिस्थितियों में मनुष्य का मार्ग दर्शन करती है। जीवन की कोई ऐसी समस्या नहीं है जिसका समाधान इसमें सूत्र-रूप में समाहित नहीं हो। यही कारण है कि भारतवर्ष के विभिन्न सम्प्रदायों ने ही नहीं, स्वतन्त्रता सेनानियों, महात्माओं तथा दार्शनिक चिन्तकों ने भी इसकी व्याख्याएँ अपने-अपने सिद्धान्तों के अनुसार की हैं। विश्व की समस्त भाषाओं में इसका अनुवाद किया जा चुका है।

लोकमान्य तिलक ने श्रीमद्भगवद्गीतारहस्य की व्याख्या के अध्ययन, मनन एवं चिन्तन से सर्वकल्याण सुनिश्चित है।

श्रीमद्भगवद्गीतारहस्य अथवा कर्मयोगशास्त्र
वाल गंगाधर तिलक
ISBN 81-7769-517-7
हार्डबैक, मूल्य : रु० १०००/-
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

भारतवर्ष की सभ्यता सर्वाधिक प्राचीन है, फिर भी भारतीय धर्मशास्त्र के अनुसार कोई भी पुस्तक उपलब्ध नहीं है। इसी दृष्टिकोण से 'हिन्दू विधिविवेक' का लेखन एवं प्रकाशन किया गया है। पुस्तक के प्रथम खण्ड में भारतीय विधि-विधान पर श्लोक एवं स्वरूप का विचार किया गया है। द्वितीय खण्ड में व्यवहार (वाद) के प्रस्तुतिकरण, न्यायालय, न्यायाधीश आदि का विवरण है। तृतीय खण्ड में धर्मशास्त्रकारों के विरोधी कथन को मीमांसा, व्याकरण, न्याय तथा कुछ लौकिक उक्तियों के माध्यम से अभिव्यक्ति किया गया है।

लेखक भारतीय दर्शन के प्रकाण्ड विद्वान हैं। जीवन पर्यंत अध्ययन-अध्यापन कार्य में सक्रिय रहें। वर्तमान में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय मानव व्याख्याता के रूप में अध्यापन कर रहे हैं।

हिन्दू विधिविवेक
डॉ० रामनिवास तिवारी
ISBN 81-7769-511-8
हार्डबैक, मूल्य : रु० ६५०/-
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

काशी की हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास
डॉ० वशिष्ठ नारायण सिंह
ISBN 81-7769-556-8 HB
हार्डबैक, मूल्य : रु० ५००/-
ISBN 81-7769-396-4 PB
पेपरबैक, मूल्य : रु० २५०/-
आकार : १५२×२३० मि. मी.

सभ्यता एवं संस्कृति की प्रगति में पत्रकारिता सदैव से ही सहायक रही है, चाहे किसी भी भाषा या क्षेत्र विशेष की क्यों न हो, वह सदैव पथ-प्रदर्शन करती रही है।

'काशी की हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास' इतना सशक्त है कि इसकी व्याख्या सहज एवं सरल नहीं है, क्योंकि भारतीय पत्रकारिता का इतिहास काशी के बिना अपूर्ण है। काशी से हर विधा में पत्रकारिता की जिस धारा का प्रस्फुटन हुआ, वह अन्यत्र नहीं मिलता। इस ग्रन्थ में संयोजित इतिहास के तथ्य इन्हीं धाराओं की एक अदद बानगी तथा अभिनव प्रयास है। वर्तमान समय में मीडिया की व्यापकता दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। अतः पत्रकारिता का इतिहास जानना हर किसी मीडियाकर्मी के लिये आवश्यक है।

सचित्र मीडिया शब्दावली
प्रभु झिंगरन
ISBN 81-7769-402-2
पेपरबैक, मूल्य : रु० ३९५/-
आकार : २१६×२८० मि. मी.

मीडिया की किसी भी विधा और माध्यम से जुड़े जिज्ञासुओं और छात्रों के लिये बहु-उपयोगी यह सचित्र सन्दर्भ-ग्रन्थ हिन्दी भाषा में पहला और अभिनव प्रयोग है। रेडियो, टेलीविजन प्रोडक्शन, फिल्म, आडियो-वीडियो, विज्ञापन, जनसम्पर्क, मुद्रण कला और इंटरनेट तथा कम्प्यूटर के लगभग 25 तकनीकी शब्दों की सचित्र व्याख्या तथा पत्रकारिता से सम्बन्धित पुरस्कार, सम्मान, प्रतियोगिताओं, छात्रवृत्तियों एवं बेवसाइट का विस्तृत परिचय सभी के लिये संग्रहणीय है।

आकाशवाणी, जन-सम्पर्क एवं दूरदर्शन के वरिष्ठ प्रशासकीय पदों पर रहते हुए टेलीविजन माध्यम को एक नई भाषा और मौलिक शैली देकर लेखक प्रभु झिंगरन ने एक अलग पहचान बनायी है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

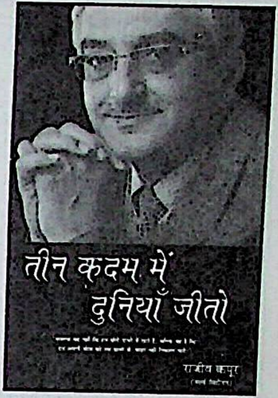

आज के प्रतिपल बदलते 'क्लोन-एज' (Clone-Age) परिवेश में छोटे-बड़े व आम-ओ-खास, सभी अपनी उन्नति की तीव्र इच्छा रखते हैं। सफलता की नयी ऊंचाईयां छूने की चाह रखने वालों को यह पुस्तक व्यवहारिक मार्गदर्शन कर उन ऊंचाइयों तक सफलता पूर्वक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करती है। जिससे सफलता चाहने वाले आर्थिक, व्यक्तिगत व सामाजिक कर्तव्यों तथा दायित्वों के निर्वहन में संगीतमय सामंजस्य स्थापित कर अपनी जिन्दगी को एक नया आयाम देने में सफल होते हैं।

लेखक न सिर्फ भारत में बल्कि विश्व में अपने विशिष्ट प्रेरणादायी लेखन, भाषणों व मोटिवेशनल वर्कशाप के लिये जाने जाते हैं व नेपोलियन हिल वर्ल्ड लर्निंग सेन्टर, पर्डयू विश्वविद्यालय अमेरिका द्वारा 'वर्ल्ड सिटिजन' जैसी उपाधियों से भी नवाजे गये हैं।

तीन कदम में दुनियाँ जीतो
राजीव कपूर
ISBN 81-7769-554-1
पेपरबैक, मूल्य : रु० १२५/-
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

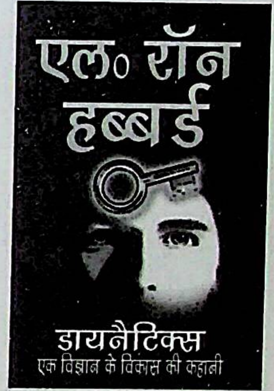

इस पुस्तक में मनोवैज्ञानिक विश्लेषण से बताया गया है कि नकारात्मक भावना के अनुभव का कारण क्या है। लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में प्रतिभा, विश्वास और योग्यता के लिये क्या अवरोध है?

यह सत्य है कि मन की योग्यता और सामर्थ्य मनुष्य की कल्पना से महान् है। निराशा में डायनैटिक्स आशा का सार्थक संचार करते हुए महान् बनने की प्रेरणा और शक्ति देता है।

एल० रॉन हब्बर्ड २०वीं शताब्दी के प्रभावशाली अन्वेषक, लेखक और साईंटालॉजी के संस्थापक हैं। उनके शोध कार्यों से संसार के लोग स्वयं को और दूसरे को समझने में सक्षम हुए हैं। उनकी लिखी यह महत्वपूर्ण पुस्तक पूरे देश में १६ करोड़ से भी अधिक बिकी है।

डायनैटिक्स : एक विज्ञान के विकास की कहानी
एल० रॉन हब्बर्ड
ISBN 81-7769-224-0
पेपरबैक, मूल्य : रु० २३०/-
आकार : १५२×२३० मि. मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

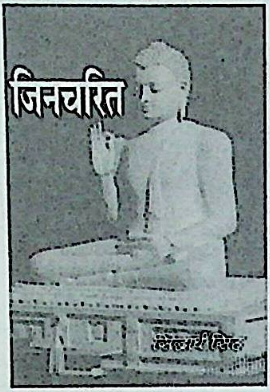

जिनचरित का बौद्ध धर्म के पालि काव्य-ग्रन्थों में वही स्थान है, जो संस्कृत काव्य-ग्रन्थों में बुद्धचरित का। १३वीं शताब्दी में श्रीलंका के वनरतन मेधंकर नामक बौद्ध भिक्षु द्वारा पालि भाषा में रचित चार सौ बहत्तर गाथाओं में निबद्ध यह भक्तिमूलक काव्य-ग्रन्थ शाक्यमुनि बुद्ध के जीवन के सभी महत्वपूर्ण घटनाओं को संक्षेप में समेट लेता है, जो भारतीय धर्म, दर्शन एवं इतिहास के अध्येताओं ही नहीं बल्कि सामान्य जागरूक पाठकों के लिये भी बहुपयोगी है।

जिनचरित ग्रन्थ का यह पहला हिन्दी अनुवाद है तथा देवनागरी लिपि में पहली पुस्तक भी। लेखक काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पाली विभाग में अध्यापन कार्य में सक्रिय हैं।

जिनचरित
सिद्धार्थ सिंह
ISBN 81-7769-509-6
हार्डवैक, मूल्य : रु० २१०/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

पवित्र क़ुरान इस्लाम धर्म की ईश्वरीय पुस्तक है एवं अपने मूल रूप में अरबी भाषा में आज भी विद्यमान है। संसार की अधिकांश भाषाओं में इसका अनुवाद किया गया है तथा हिन्दी भाषा को भी पवित्र क़ुरान के अनुवाद का गौरव प्राप्त है। लेकिन हिन्दी भाषा में पवित्र क़ुरान पर लिखी गई पुस्तकों का सर्वथा अभाव है।

इन्हीं कठिनाईयों को ध्यान में रखकर 'पवित्र क़ुरान : परिचय एवं सिद्धांत' की रचना हिन्दी भाषा में की गई है कि पवित्र क़ुरान का वास्तविक मर्म एक ही स्थान पर हो। आशा है यह पुस्तक हिन्दी भाषी पाठकों के लिये लाभदायक प्रमाणित होगी। लेखक काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में अरबी विभाग से जुड़े हुए हैं।

पवित्र क़ुरान
परिचय एवं सिद्धान्त
डॉ० वज़ीर हसन
ISBN 81-7769-639-4
पेपरबैक, मूल्य : रु० १२५/-
आकार : १५२×२२८ मि. मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नवीन प्रकाशन

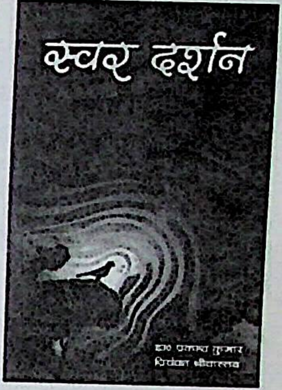

इस पुस्तक में व्याख्या की गई है कि सांगीतिक स्वर की अवधारणा क्षेत्रीय विशेष नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व के लिये सुखद है। पुस्तक में दिये गये सभी तथ्य संगीत की गुणवत्ता को पूर्णत: परिभाषित करने में सफल और संगीत के साधकों तथा शिक्षार्थियों के पथ-प्रदर्शन में सक्षम है।

स्वर दर्शन
डा० प्रकाश कुमार
प्रियंका श्रीवास्तव
ISBN 81-7769-281-X
पेपरबैक, मूल्य : रु० १५०/-
आकार : १४०×२१६ मि.मी.

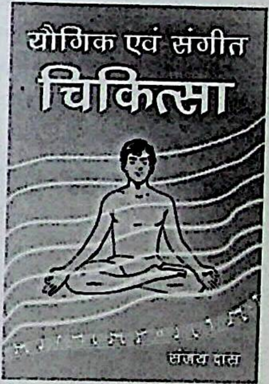

योग के सभी आसन तथा संगीत की स्वर लहरियों के संयुक्त प्रभाव का मन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, साथ ही मुद्रा का अभ्यास भी शक्तिशाली प्रभाव छोड़ता है। आवश्यकता है व्यस्तता के दौर में कुछ समय पुस्तक के अनुसार अभ्यास का।

यौगिक एवं संगीत चिकित्सा
संजय दास
ISBN 81-7769-236-4
पेपरबैक, मूल्य : रु० ७५/-
आकार : १४०×२१६ मि.मी.

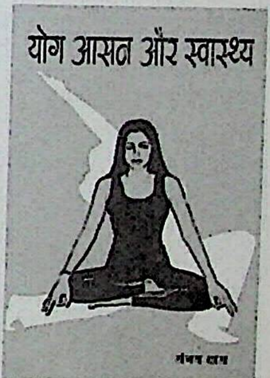

वर्तमान में जीवन के भौतिक सुखों में आशानुकूल प्रगति हुई है, लेकिन स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। मानव के संतुलित स्वास्थ्य के लिये प्राय: सभी चिकित्सा शास्त्री इस तथ्य पर एकमत हैं कि वर्तमान समय में योगासन से ही निरोग रहा जा सकता है।

योग आसन और स्वास्थ्य
संजय दास
ISBN 81-7769-510-X
पेपरबैक, मूल्य : रु० ३५/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नवीन प्रकाशन

भारत के विविध संग्रहालय
डॉ० गणेशन्
ISBN 81-7769-476-6
पेपरबैक, मूल्य : रु० २५०/-
ISBN 81-7769-477-4
हार्डबैक, मूल्य : रु० ६००/-
आकार : १५२×२२८ मि. मी.

आज भारत में ६०० से भी अधिक कला, पुरातत्व, इतिहास, कृषि, वाणिज्य आदि विषयों से सम्बन्धित संग्रहालयों की स्थापना हो चुकी है। यह पुस्तक संग्रहालय विज्ञान के विद्यार्थियों, शोधछात्रों, संग्रहालय दर्शकों एवं पर्यटकों हेतु सर्वोपयोगी है।

संग्रहालय दर्पण
डॉ० गणेशन्
ISBN 81-7769-473-1
पेपरबैक, मूल्य : रु० १५०/-
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

यह पुस्तक संग्रहालय विज्ञान के पाठ्यक्रम पर आधारित है, जो संग्रहालय कर्मियों, विद्यार्थियों, शोधछात्रों के साथ-साथ इस विषय पर रुचि रखने वाले जिज्ञासु लोगों के लिये सर्वोपयोगी है। क्योंकि इसमें संग्रहालय के इतिहास पर प्रकाश डाला गया है।

उपभोक्ता सेवा

पुस्तकों के सम्बन्ध में अगर आपके समक्ष किसी भी प्रकार की समस्या हो तो फैक्स एवं इमेल पर हमें शीघ्र ही आवश्यक संदेश एवं निर्देश भेजें-

पिलग्रिम्स बुक हाउस
बी० 27/98-ए-8, दुर्गाकुण्ड,
वाराणसी-221010
फोन- (91-542) 2314060
फैक्स-(91-542) 2312456
email-pilgrims@satyam.net.in

www.pilgrimsbooks.com

पिलग्रिम्स बुक हाउस
पो० बा० नं०-3872,
थमेल, काठमाण्डू, नेपाल।
फोन-(977-1) 4700516, 4700942, 4700919
फैक्स-(977-1) 4700943
email-pilgrims@wlink.com.np

पिलग्रिम्स बुक हाउस
2391, तिलक स्ट्रीट, चूना मण्डी, पहाड़गंज,
नई दिल्ली-110055
फोन-91-11-23584015, 23584019
फैक्स-91-11-23584019
e-mail-pilgrimsinde@gmail.com

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्रस्तुत इस पुस्तक में भारत के तेजस्वी पूर्वजों को याद करते हुए बताया गया है कि प्राकृतिक विघ्नों से जूझकर हमारे पूर्वजों ने साहसिक अभियान किया तथा यश की नई रेखा खींचते हुए विश्वबन्धु की भावना को सदैव सशक्त बनाने का हर संभव प्रयास किया।

भारत डॉट कॉम विश्वगुरु
श्रीनिवास सिंह
ISBN 81-7769-551-7
पेपरबैक, मूल्य : रु० १००/-
आकार : १४०×२१६ मि.मी.

सन्त कबीर समूचे भक्ति आंदोलन की शक्तिशाली, उद्बोधक एवं तार्किक अभिव्यक्ति तथा सशक्त रचनात्मक पक्ष हैं। वे कुरीतियों पर आधारित सामाजिक ढांचे में आमूल परिवर्तन की क्रांतिकारी मांग करते हैं। आपके उपदेश सर्वकल्याण के मार्ग पर अग्रसर करने में सक्षम है।

समाज सुधारक सन्त कबीर दास
डॉ० संजय
ISBN 81-7769-552-5
पेपरबैक, मूल्य : रु० ६०/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

यह पुस्तक विश्व प्रसिद्ध 'अलिफ लैला' की रोचक कहानियों का हिन्दी रूपान्तर है जो बच्चों और बड़ों के मार्ग दर्शन में सक्षम है। इसकी सभी कहानियां जीवन के व्यवहार और काल्पनिक पक्ष को सुखद रूप से सबको आकर्षित करते हुए मर्यादित संदेश देती है।

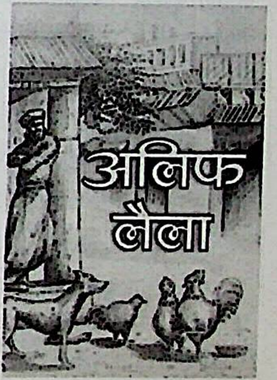

अलिफ लैला
गोपाल ठाकुर
ISBN 81-7769-390-5
पेपरबैक, मूल्य : रु० १२५/-
आकार : १४०×२१६ मि.मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नवीन प्रकाशन

महापुरुषों की अमृतवाणी सदैव से ही सबका पथ-प्रदर्शन करती रही है, क्योंकि महापुरुषों ने जो भी कहा है-वह परमेश्वर का संदेश है। सर्वकल्याण के उद्देश्य से पिलग्रिम्स पब्लिशिंग ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम, श्रीकृष्ण, अघोरेश्वर भगवान् राम, गुरु नानक देव, ईसा मसीह, भगवान् बुद्ध, भगवान् महावीर, सन्त कबीर दास, पैगम्बर मुहम्मद साहब, शिरडी के साई बाबा, महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों की अमृतवाणी शृंखला का प्रकाशन (आकार : १०२×१५२ मि. मी.) किया है-

श्रीराम की अमृतवाणी
संकलन-गोपाल ठाकुर
ISBN 81-7769-539-8
पेपरबैक, मूल्य : रु० २५/-

श्रीकृष्ण की अमृतवाणी
संकलन-गोपाल ठाकुर
ISBN 81-7769-550-9
पेपरबैक, मूल्य : रु० २५/-

भगवान् बुद्ध की अमृतवाणी
संकलन-गोपाल ठाकुर
ISBN 81-7769-533-9
पेपरबैक, मूल्य : रु० २५/-

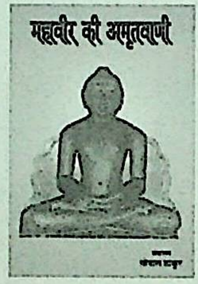

महावीर की अमृतवाणी
संकलन-गोपाल ठाकुर
ISBN 81-7769-536-3
पेपरबैक, मूल्य : रु० २५/-

ईसा मसीह की अमृतवाणी
संकलन-गोपाल ठाकुर
ISBN 81-7769-532-0
पेपरबैक, मूल्य : रु० २५/-

पैगम्बर मुहम्मद की अमृतवाणी
ISBN 81-7769-537-1
पेपरबैक, मूल्य : रु० २५/-

www.pilgrimsbooks.com

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नवीन प्रकाशन

गुरु नानक की अमृतवाणी
संकलन–गोपाल ठाकुर
ISBN 81-7769-531-2
पेपरबैक, मूल्य : रु० २५/-

शिरडी के साईं बाबा की अमृतवाणी
ISBN 81-7769-538-X
पेपरबैक, मूल्य : रु० २५/-

कबीर की अमृतवाणी
संकलन–गोपाल ठाकुर
ISBN 81-7769-535-5
पेपरबैक, मूल्य : रु० २५/-

अघोरेश्वर भगवान राम की अमृतवाणी
ISBN 81-7769-530-4
पेपरबैक, मूल्य : रु० २५/-

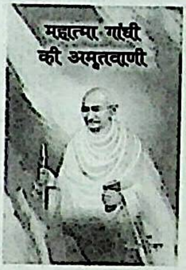

महात्मा गांधी की अमृतवाणी
ISBN 81-7769-534-7
पेपरबैक, मूल्य : रु० २५/-

महापुरुषों की अमृतवाणी
संकलन–गोपाल ठाकुर
ISBN 81-7769-465-0
पेपरबैक, मूल्य : रु० ७५/-
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

पिलग्रिम्स पब्लिशिंग की ज्ञानपरक हिन्दी की प्रमुख पुस्तकों की विस्तृत जानकारी के लिये देखें–
website-www.pilgrimsbooks.com

साथ ही अपना अमूल्य सुझाव भी अवश्य भेजें–
email-pilgrims@satyam.net.in

www.pilgrimsbooks.com

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

जीवन को समझा उसी ने जो निरन्तर चलता रहा, रास्तों से दोस्ती हुई, भटका फिर चल दिया। जब चलना ही गन्तव्य बन जाये तो समझ लें कि आप मंजिल पा गये। राह रौ में दी गईं कवितायें ताजी हैं, उनमें बासीपन नहीं है। अलंकारों का बोझ नहीं है।

राह रौ
हृदयनाथ
ISBN 81-7769-518-5
पेपरबैक, मूल्य : रु० ५०/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

यह सच ही तो है कि सम्पूर्ण संसार एक रंगभूमि है, जहां हम सभी एक पात्र हैं, पूर्वनियत भूमिका का निर्वाह करने वाले अभिनेता। इस काव्य संग्रह में प्रकाशित सभी कविताओं में सामाजिक विसंगतियों के ताने-बाने का मार्मिक उल्लेख किया गया है।

नेपथ्य
प्रयास चतुर्वेदी
ISBN 81-7769-474-X
पेपरबैक, मूल्य : रु० ८०/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

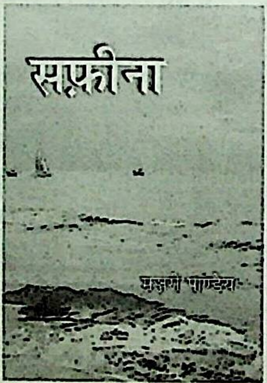

ग़ज़ल यदि उर्दू की आबरू है तो गीत हिन्दी का गौरव। फलतः हिन्दी काव्यलेखन में ग़ज़ल की लोकप्रियता बढ़ी है। सफ़ीना का अर्थ है–नाव, जो जीवन की जीजिविषा को आशा का मार्ग दिखाता है। वह भी वर्तमान के संक्रमण काल में।

सफ़ीना
मञ्जरी पाण्डेय
ISBN 81-7769-497-9
पेपरबैक, मूल्य : रु० ८०/-
आकार : १३३×१८४ मि.मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

यह एक ऐसा अमर ग्रंथ है जिसमें सर्वकल्याण का मार्ग स्वयं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने सुझाया है। तभी इस ग्रंथ को तत्त्व-ज्ञान से पूर्ण माना जाता है। इसके अध्ययन, मनन से सभी मनुष्यों को जीवन-तत्त्व की वास्तविकता का ज्ञान हो जाता है।

योगवाशिष्ठ रामायण
पं० रामानन्द द्विवेदी
ISBN 81-7769-234-8
पेपरबैक, मूल्य : रु० ३५/-
आकार : १०२×१५२ मि.मी.

श्री योगवासिष्ठ रामायण भारतवर्ष अथवा सम्पूर्ण भूमण्डल का सर्वोत्तम अध्यात्म ग्रन्थ है। अनेक वर्षों तक गहन अध्ययन एवं चिन्तन के बाद प्रो० भीखमलाल आत्रेय, पद्मविभूषण, ने ३२ हजार श्लोकों का सार १६७ श्लोकों में समाहित किया है।

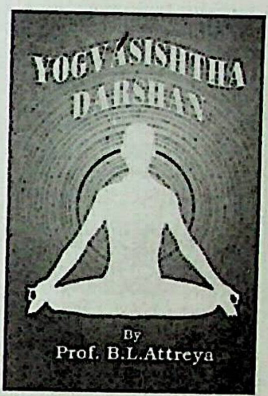

योगवासिष्ठ दर्शन
डा० भीखम लाल आत्रेय
ISBN 81-7769-404-9
पेपरबैक, मूल्य : रु० ५०/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

आदिगुरु शंकराचार्य द्वारा संस्कृत में लिखे गये 'तत्त्वबोधः' का हिन्दी में यह भावानुवाद है, जिसमें सहजता के साथ बताया गया है कि मोक्ष की प्राप्ति कैसे संभव है। अगर आप अध्ययन, मनन एवं चिंतन करेंगे तो अनेक अनुत्तरित प्रश्नों का उत्तर मिल जायेगा।

तत्त्वबोधः
पं. मदनमोहन उपाध्याय
ISBN 81-7769-362-X
पेपरबैक, मूल्य : रु० २५/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अध्यात्म, धर्म और तीर्थ

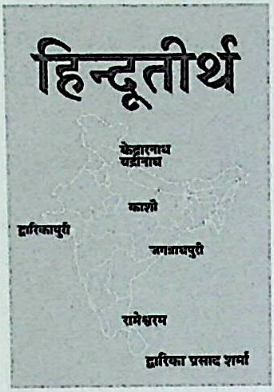

भारत के चारो धाम सहित सभी प्रदेशों के तीर्थ स्थलों में ईश्वर की उपासना, आराधना करने से मनुष्य के पुण्य का उदय होता है। पुस्तक में श्रद्धालुजनों को सभी प्रमुख हिन्दूतीर्थ स्थलों के देवी-देवताओं का नाम, इतिहास तथा पता की स्पष्ट जानकारी हो सके।

हिन्दूतीर्थ
द्वारिका प्रसाद शर्मा
ISBN 81-7769-274-7
पेपरवैक, मूल्य : रु० ४५/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

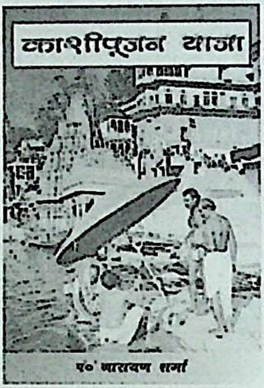

मोक्ष की प्राप्ति के लिये काशी में अनेक पूजन अर्चन, साधना-आराधना तथा यात्राओं का विधान है, जिसे जान पाना सरल नहीं है। इस पुस्तक में काशी की यात्रा पर प्रकाश डाला गया है, जिसके पालन से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभ सुनिश्चित है।

काशीपूजन यात्रा
पं० नारायण शर्मा
ISBN 81-7769-233-X
पेपरवैक, मूल्य : रु० ५०/-
आकार : १०२×१५२ मि.मी.

अविमुक्त क्षेत्र काशी के सम्बन्ध में शास्त्रीय मत है कि भगवान् शिव द्वारा मरणोन्मुख प्राणी के कान में तारक मंत्र फूंकने से जन्म-मृत्यु के आवागमन से मुक्ति मिल जाती है। शास्त्रों के मतानुसार पुस्तक में बताया गया है कि जहां से 'ब्रह्म' प्रकाशित हो, वही काशी है।

काशी मोक्षविवेक
मथुरामोहन मुखोपाध्याय
ISBN 81-7769-368-9
पेपरवैक, मूल्य : रु० ३०/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

इस पुस्तक में भारत के चारो प्रमुख धाम केदारनाथ, बद्रीनाथ, रामेश्वरम्, द्वारिकापुरी समेत यमुनोत्तरी, गंगोत्तरी आदि प्रमुख तीर्थस्थलों का वर्णन किया गया है, जिसे पढ़कर कोई भी यह अनुभव करने लगेगा कि वह इन तीर्थ स्थलों की यात्रा कर रहा है।

चारो धाम
वंशीधर त्रिपाठी
ISBN 81-7769-391-3
पेपरबैक, मूल्य : रु० १५०/-
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित श्रीहनुमानबाहुक में उद्धृत मंत्रों में वह अदृश्य शक्ति निहित है, जिसके जप से वात-व्याधि की पीड़ा सदैव के लिये दूर हो जाती है। वर्तमान वैज्ञानिक युग में यह पीड़ानाशक मंत्र शोध का विषय है।

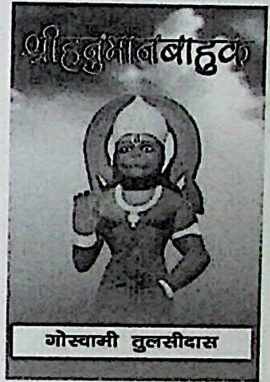

श्रीहनुमानबाहुक
गोस्वामी तुलसीदास
टिप्पणी-गोपाल ठाकुर
ISBN 81-7769-350-6
पेपरबैक, मूल्य : रु० २५/-
आकार १०२×१५२ मि. मी.

ब्रह्म क्या है? मैं कौन तथा क्या हूं? यह प्रश्न प्राय: सभी व्यक्तियों के चेतन-अचेतन मस्तिष्क में हर-पल गुंजायमान रहता है। ब्रह्मविद्या में इसी जटिल प्रश्न के सर्वमान्य उत्तर के निर्धारण का प्रयास किया गया है, जिसके अध्ययन एवं चिंतन से ब्रह्म के बारे में सहज उत्तर मिल जायेगा।

ब्रह्मविद्या
सी. डब्ल्यू लैडवीटर
ISBN 81-7769-487-1 PB
पेपरबैक, मूल्य : रु० ६०/-
आकार १२१×१७८ मि. मी.

www.pilgrimsbooks.com

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पुस्तक में बताया गया है कि सुख की वास्तविकता आंतरिक आनंद भाव में निहित है, न कि इंद्रियजनित सुख में। क्योंकि काम, क्रोध, मद, मोह आदि विकार जीवात्मा को मर्यादा-पथ से विचलित कर देता है, जबकि वास्तविक सुख सात्विक स्व-अनुभूति में ही है।

सुख स्वरूपम्
स्वामी अनन्तानन्द सरस्वती
ISBN 81-7769-361-1
पेपरबैक, मूल्य : रु० ३५/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

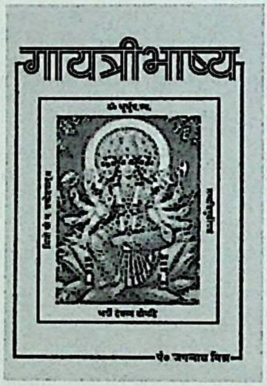

गायत्री मंत्रों के तेज-पुंज से ही संसार की सारी गतिविधियां गतिमान हैं। क्योंकि गायत्री मंत्र ही समस्त वेदों का सार है। अतः यह प्राणियों के लिये कल्याणकारी है। आप सभी गायत्रीभाष्य के मन्त्रों के अनुपालन से लाभान्वित हों।

गायत्रीभाष्य
पं० जगन्नाथ मिश्र
ISBN 81-7769-364-6
पेपरबैक, मूल्य : रु० ३०/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

आध्यात्मिक अवधारणा है कि परब्रह्म परमात्मा ही गंगाजल के रूप में भारतवर्ष में अवतरित हैं। श्रद्धालुओं को सद्मार्ग की प्राप्ति के उद्देश्य से 'गंगासहस्रनामावलिः' का प्रकाशन किया जा रहा है, जिसके नियमित पूजन से मानव का कल्याण हो।

गंगासहस्रनामावलिः
पिलग्रिम्स प्रस्तुति
ISBN 81-7769-365-4
पेपरवैक, मूल्य : रु० ३५/-
आकार : १०२×१५२ मि.मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

इस पुस्तक में जड़ी-बुटियों से निर्मित जीवनोपयोगी तथा शक्तिवर्धक दवाओं की अनेक सरल एवं सहज विधियां बताई गई हैं, जो सदैव लाभप्रद है। इस पुस्तक को पढ़कर स्वयं निरोग रहते हुए अन्य पीड़ितजनों की भी सेवा कर सकते हैं।

चमत्कारी औषधियां
स्वामी जगदीश्वरानन्द सरस्वती
ISBN 81-7769-398-0
पेपरबैक, मूल्य : रु० ५०/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

वर्तमान समय के महंगे एवं खर्चीले चिकित्सा व्यवस्था के दौर में जल-चिकित्सा पर दी गई विधियों का पालन करके देखें, यह सुनिश्चित है कि आप सब को आशातीत लाभ होगा। अब तक जल चिकित्सा से असंख्य लोग नीरोग हो चुके हैं।

जल चिकित्सा
लुई कुने
ISBN 81-7769-456-1
पेपरबैक, मूल्य : रु० ३५/-
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

आयुर्वेद में तमाम ऐसी जड़ी-बूँटियों की पहचान की गई है, जिनसे मनुष्य की काम प्रवृत्ति सम्पुट होती है। पुस्तक में पुष्टिकारक जड़ी-बूटियों एवं उनसे तैयार होने वाले अवलेह बनाने की विधियां बताई गई हैं, जिसके सेवन से मनुष्य को ऊर्जा मिलती है।

बृहत्पाकावलिः
पं. माधव उपाध्याय
ISBN 81-7769-409-X
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४५/-
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आयुर्वेद

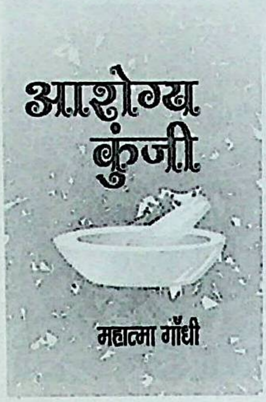

'आरोग्य कुंजी' में बताया गया है कि पंचभूत तत्व मिट्टी, जल, अग्नि, आकाश एवं हवा के संतुलित उपयोग और नशीली पदार्थों के सर्वथा त्याग, संतुलित आहार-विहार एवं ब्रह्मचर्य के पालन से निरोग रहा जा सकता है।

आरोग्य कुंजी
महात्मा गांधी
ISBN 81-7769-406-5
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४०/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

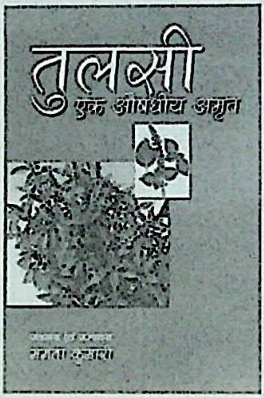

भारतीय संस्कृति में तुलसी को पूज्यनीय माना जाता है, क्योंकि उसी से हमारे अनेक रोगों का निदान होता है। तुलसी के औषधीय गुणों का अधिक से अधिक व्यक्तियों को जानकारी हो तथा वे इसका लाभ उठायें।

तुलसी
एक औषधीय अमृत
ममता कुमारी
ISBN 81-7769-446-4
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४०/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

आयुर्वेद एक ऐसी चिकित्सा पद्धति है, जिसमें बाल्यकाल से वृद्धकाल तक रोगों का प्राकृतिक ढंग से उपचार किया जाता है। इस पुस्तक में आयुर्वेदिक-पद्धति से शिशु के रख-रखाव के लिये दिशा-निर्देश दिया गया है।

शिशु चिकित्सा
धर्मानन्द शास्त्री
ISBN 81-7769-445-6
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४५/-
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अपने बच्चे को होने वाले अनेक छोटे-मोटे रोगों का स्वयं इलाज कर सकते हैं, क्योंकि उन सभी नुस्खों को सहजता के साथ इस पुस्तक में प्रस्तुत किया गया है, जो दादी, नानी अपने घर में बीमार बच्चों के लिये किया करती हैं।

मट्ठा या छाछ के उपयोग
प्रवासीलाल वर्मा
ISBN 81-7769-411-1
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४५/-
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

पुस्तक में मट्ठा या छाछ के गुणों के बारे में बताया गया है। कुछ विशेष बूँटियों के मिश्रण को मट्ठा के साथ लेप या मालिश करने से चर्म रोग का भी इलाज किया जा सकता है। आयुर्वेद में मट्ठे का उपयोग लाभकारी माना गया है।

बालरोग विज्ञान
धर्मानन्द शास्त्री
ISBN 81-7769-410-3
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४५/-
आकार : १४०×२१६ मि.मी.

नेपाल के नक्शे

पिलग्रिम्स बुक हाउस नेपाल देश का सम्पूर्ण नक्शा आप सबकी सेवा में प्रस्तुत कर रहा है, जिसमें सड़क मार्ग, हवाई मार्ग, ट्रकिंग रूट और पर्वतारोहण आदि की नवीनतम सूचनायें अंकित की गई हैं। साथ ही सैलानियों की सुविधा के लिये सभी उचित जानकारियां उपलब्ध कराई गई हैं। विस्तृत जानकारी के लिये सम्पर्क करें–

pilgrims@wlink.com.np

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

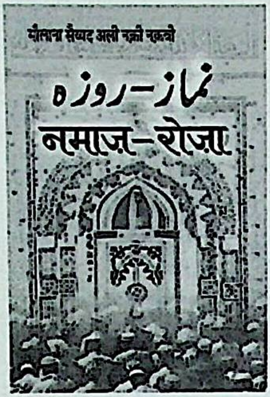

नमाज़-रोज़ा के सात्विक संदेश का पालन करते हुए मनुष्य मर्यादित जीवन के निर्वाह का प्रयास करता है। कृपया 'नमाज़-रोज़ा' पुस्तक के अध्ययन-मनन एवं अनुपालन से अपने जीवन को सार्थक बनायें।

नमाज़-रोज़ा
मौलाना सैय्यद अली नक़ी नक़वी
ISBN 81-7769-351-4
पेपरबैक, मूल्य : रु० ५०/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

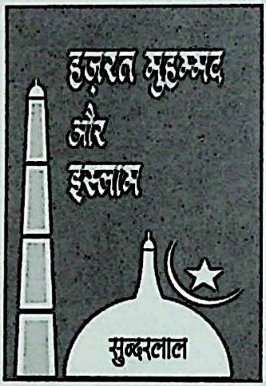

पुस्तक में एक ऐसे महान् आत्मा की जीवन-झांकी मिलेगी, जो असंख्य इन्सानों को अज्ञान के अंधेरे से निकाल कर ज्ञान की रोशनी से आलोकित कर दिया। इसके अध्ययन से आप भी अपने जीवन को सार्थक बनायें।

हज़रत मुहम्मद और इस्लाम
सुन्दरलाल
ISBN 81-7769-394-8
पेपरबैक, मूल्य : रु० ६०/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

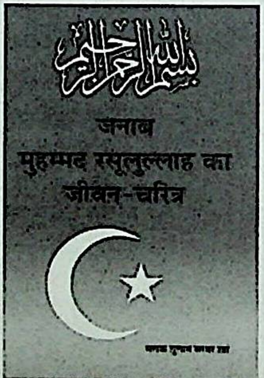

प्रस्तुत पुस्तक में जनाब मुहम्मद रसूलुल्लाह के संघर्षमय त्याग एवं मानवता को सदैव आलोकित करने और उनके आचार-विचार एवं जीवन-व्यवहार पर प्रकाश डाला गया है। इसके अध्ययन-मनन के बाद पाठकगण लाभान्वित होंगे।

जनाब मुहम्मद रसूलुल्लाह का जीवन-चरित्र
मलक ग़ुलाम सरवर ख़ां
ISBN 81-7769-395-6
पेपरबैक, मूल्य : रु० ६०/-
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

इस पुस्तक में काशी के राजा चेतसिंह के कालखण्ड की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक तथा सैन्य स्थिति पर प्रकाश डाला गया है। लेखक स्वनामधन्य स्वतंत्रता सेनानी, मुखर राजनेता और प्रतिष्ठित शिक्षाशास्त्री थे। इस पुस्तक को अवश्य पढ़े।

चेतसिंह और काशी का विद्रोह
सम्पूर्णानन्द वर्मा
ISBN 81-7769-227-5
पेपरबैक, मूल्य : रु० ५०/-
आकार : १०२×१५२ मि. मी.

एडल्फ हिटलर... यह एक ऐसा नाम है, जिसे सुनते या पढ़ते ही एक ऐसे व्यक्ति की छवि आंखों के समक्ष उभरने लगती है जो रक्त पिपासु और हिंसा का पुजारी है। इस पुस्तक को पढ़ें और हिटलर के विचारों से परिचित हों।

मेरा जीवन संग्राम
एडल्फ हिटलर
ISBN 81-7769-458-8
पेपरबैक, मूल्य : रु० ७०/-
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

मुगल साम्राज्य में भारत की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक व्यवस्था के सम्बन्ध में यह पुस्तक एक अनूठी कृति है तथा इतिहास के शोधकर्त्ताओं, छात्रों एवं सामान्य पाठकों के लिये भी सदुपयोगी एवं संग्रहणीय दस्तावेज है।

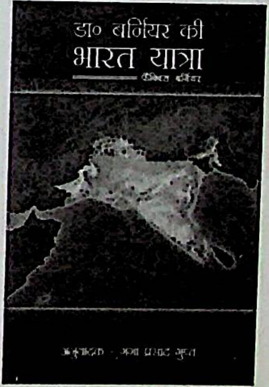

डा० बर्नियर की भारतयात्रा
फ्रैंक्विस बर्नियर
ISBN 81-7769-455-3
पेपरबैक, मूल्य : रु० १००/-
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

इतिहास

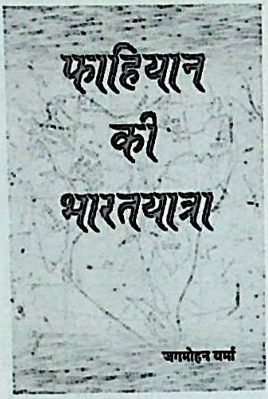

फाहियान भारत यात्रा पर आने वाला पहला चीनी यात्री है, जो बौद्ध दर्शन का गहन अध्ययन और चीनी भाषा में अनुवाद करके बौद्ध संदेश का अपने देश में व्यापक प्रचार-प्रसार किया। ईसा पूर्व भारतीय परिवेश की जानकारी हेतु यह एक प्रमाणिक पुस्तक है।

फाहियान की भारतयात्रा
जगमोहन वर्मा
ISBN 81-7769-483-9
पेपरबैक, मूल्य : रु० ७५/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

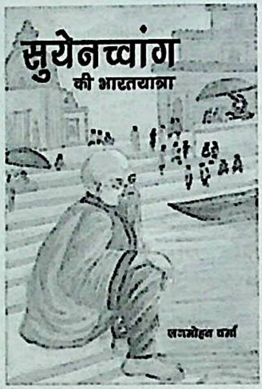

चीन का प्रसिद्ध भारतयात्री सुयेनच्वांग ६००वीं ईसवी में भारत आया था। तत्कालीन भारत की सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, आर्थिक, सामरिक स्थिति की अगर जानकारी चाहिये तो उसका सबसे सरल एवं सीधा माध्यम है यह पुस्तक।

सुयेनच्वांग की भारतयात्रा
जगमोहन वर्मा
ISBN 81-7769-484-7
पेपरबैक, मूल्य : रु० ७५/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

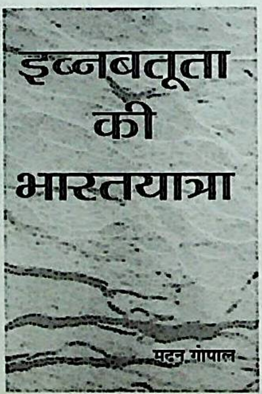

१३वीं शताब्दी में भारत यात्रा पर आये इब्नबतूता द्वारा ९ वर्षों तक तत्कालीन बादशाहों का विशेष सलाहकार बनकर भारत की राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक आदि विषयों पर लिखा गया दस्तावेज इस पुस्तक में अंकित है।

इब्नबतूता की भारतयात्रा
मदन गोपाल
ISBN 81-7769-486-3
पेपरबैक, मूल्य : रु० १००/-
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

काशी के साह घराना का सम्पूर्ण भारत में अपना विशेष स्थान है, चाहे व्यापार का क्षेत्र हो या बौद्धिक प्रखरता का, ईस्ट इण्डिया कम्पनी के शासन का दौर हो या स्वतन्त्रता आन्दोलन का काल-खण्ड। इस घराने के उल्लेख के बिना भारतीय इतिहास अधूरा है।

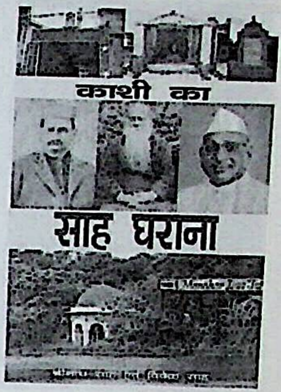

काशी का साह घराना
श्रीनाथ साह एवं विवेक साह
ISBN 81-7769-512-6 PB
ISBN 81-7769-513-4 HB
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

उपभोक्ता सेवा

पुस्तकों के सम्बन्ध में अगर आपके समक्ष किसी भी प्रकार की समस्या हो तो फैक्स एवं इमेल पर हमें शीघ्र ही आवश्यक संदेश एवं निर्देश भेजें–

www.pilgrimsbooks.com

पिलग्रिम्स बुक हाउस
बी० 27/98-ए-8, दुर्गाकुण्ड,
वाराणसी-221010
फोन- (91-542) 2314060
फैक्स-(91-542) 2312456
email-pilgrims@satyam.net.in

पिलग्रिम्स बुक हाउस
पो० बा० नं०-3872,
थमेल, काठमाण्डू, नेपाल।
फोन-(977-1) 4700516, 4700942, 4700919
फैक्स-(977-1) 4700943
email-pilgrims@wlink.com.np

पिलग्रिम्स बुक हाउस
2391, तिलक स्ट्रीट, चूना मण्डी, पहाड़गंज,
नई दिल्ली-110055
फोन-91-11-23584015, 23584019
फैक्स-91-11-23584019
e-mail-pilgrimsinde@gmail.com

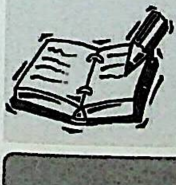

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

देह-धर्म और आत्म-चिंतन एक दूसरे के पूरक हैं। भिन्न संस्कृति और संस्कार के होते हुए भी जीवन की सार्थकता इन दोनों के विग्रह में नहीं, अपितु समुचित समायोजन में है-इस सत्य को सुम्निमा में अत्यन्त कलात्मक ढंग से प्रस्तुति किया गया है।

सुम्निमा
विशेश्वर प्रसाद कोइराला
ISBN 81-7303-048-0
पेपरबैक, मूल्य : रु० १०९/-
आकार : २१६×२८० मि. मी.

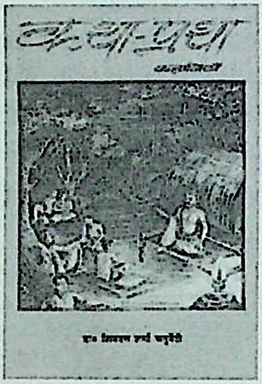

इस पुस्तक में पुराणों के अछूते संदर्भ तथा इतिहास प्रेरित कहानियां अंकित हैं, जिनमें अनेक रसों की अनुभूतियां एवं हास्य रस का अपूर्व आनन्द है। लेखक ने अपनी अभिव्यक्ति का माध्यम जीवन की अनबूझ पहेलियों को ही बनाया है।

कथा-प्रथा कहानियाँ
डा० शिवदत्त शर्मा चतुर्वेदी
ISBN 81-7303-203-3
पेपरबैक, मूल्य : रु० ७५/-
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

दहेज प्रथा से हमारे हिन्दू समाज की न जाने कितनी गुणवती लड़कियों का जीवन नरक के समान हो चुका है। इससे हम सभी अनजान नहीं है। इस उपन्यास में दहेज प्रथा के दुष्प्रभाव की मार्मिक व्याख्या की गयी है, जिसे पढ़कर सभी की आंखें नम हो जायेंगी।

दहेज
देवनारायण द्विवेदी
ISBN 81-7769-460-X
पेपरबैक, मूल्य : रु० ९०/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

इस उपन्यास में बताया गया है कि संवेदना बनी रहे तो अर्थ है जीवन का, अन्यथा शाम ढले ख़ाली हाथ ही तो जाना है। लेखक प्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं संवेदनशील रचनाकार हैं। उनकी कृतियों में बहिरंग की छटायें भी हैं और आत्मबोध की उष्मा भी।

ख़ाली हाथ शाम
राधे मोहन राय
ISBN 81-7769-636-X
पेपरबैक, मूल्य : रु० ७५/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

...और हुआ वही जिसके बारे में कभी सोचा भी नहीं था, अर्थात् भवितव्यता अनबूझ पहेली है सभी के लिये। इसी पहेली की व्याख्या की गई है इस लघु उपन्यास में। लेखक शिक्षण कार्य से सेवानिवृत्त होने के बाद अब उपन्यास एवं कहानियां लिखने में सक्रिय हैं।

भवितव्यता
ब्रजभूषण मिश्र 'सदाबहार'
ISBN 81-7769-553-3
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४०/-
आकार : १४०×२१६ मि.मी.

प्राचीन एवं दुर्लभ सदुपयोगी संस्कृत, हिन्दी एवं अंग्रेजी की पुस्तकें, विशेष छूट की सस्ती पुस्तकें और हस्तकला आदि विक्रय हेतु वाराणसी (उ.प्र.), नई दिल्ली और पाटन एवं काठमाण्डू (नेपाल) स्थित हमारी चार दुकानें वर्तमान समय में पाठकों की सेवा में निरन्तर सक्रिय हैं।

www.pilgrimsbooks.com

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

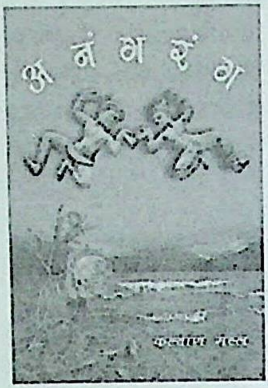

सृष्टि के संचालन में स्त्री-पुरुष के सहवास की मुख्य भूमिका है। पुस्तक में विवाहित स्त्री-पुरुष की पूर्ण सन्तुष्टि के लिये सहवास के वैज्ञानिक तथ्यों पर प्रकाश डाला गया है, जिससे दाम्पत्य जीवन को आदर्श रूप देते हुए आनन्दमय बनायें।

अनंगरंग
कल्याण मल्ल
ISBN 81-7769-225-9
पेपरबैक, मूल्य : रु० ६५/-
आकार : १२१×१८५ मि.मी.

चार पुरुषार्थों में धर्म अब निरपेक्ष हो गया है, मोक्ष एक कल्पना है, अर्थ विकट चक्र में फँसा हुआ है। सिर्फ एक काम है जिसके प्रचंड पुरुषार्थ का प्रतिफल सर्वत्र दिखाई दे रहा है। अतः विचारणीय अभिव्यक्ति एवं व्याख्या है–'काम-कथा'।

काम-कथा
डा० भानुशंकर मेहता
ISBN 81-7769-043-4
पेपरबैक, मूल्य : रु० ६०/-
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

पिलग्रिम्स पब्लिशिंग से प्रकाशित ज्ञानपरक
हिन्दी की प्रमुख पुस्तकों की
विस्तृत जानकारी के लिये देखें–
website-www.pilgrimsbooks.com
साथ ही अपना अमूल्य सुझाव भी अवश्य भेजें–
email-pilgrims@satyam.net.in

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पृथ्वी से ९ करोड़ ३० लाख मील दूर अंतरिक्ष में विद्यमान सूर्य की जीवन-दायिनी किरणें प्रतिदिन पृथ्वी पर बिखर कर सृष्टि के गतिविधियों का संचालन करती हैं। पुस्तक में सूर्य और पृथ्वी के वैज्ञानिकता पर प्रकाश डाला गया है।

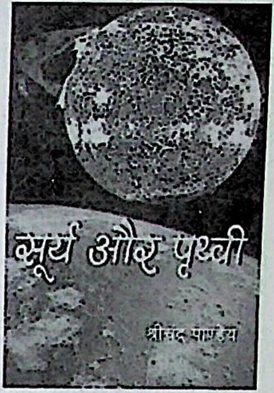

सूर्य और पृथ्वी
श्रीचंद्र पाण्डेय
ISBN 81-7769-280-1
पेपरबैक, मूल्य : रु० ३०/-
आकार : १०२×१५२ मि.मी.

चन्द्रमा की शीतल किरणों से सभी का अन्तर्मन आह्लादित हो जाता है। यह प्रमाणित हो चुका है कि समुद्र से एक पिण्ड निकल कर अंतरिक्ष में स्थापित हो गया। पुस्तक में चन्द्रमा के प्रभाव पर प्रकाश डाला गया है।

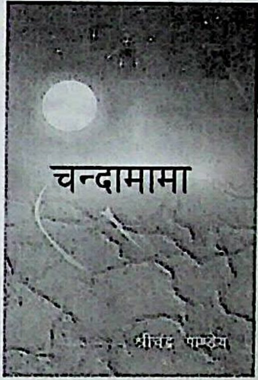

चन्दामामा
श्रीचंद्र पाण्डेय
ISBN 81-7769-278-X
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४५/-
आकार : १०२×१५२ मि.मी.

आकाश में तारे-सितारों की जगमगाहट मानव-मस्तिष्क को अपनी ओर आकर्षित कर सोचने के लिये बाध्य कर देता है कि बिना आलम्ब के यह कैसे संभव है? इन्हीं तथ्यों की सरल व्याख्या की गई है।

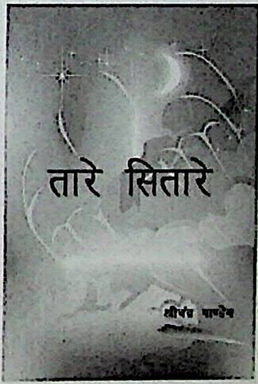

तारे सितारे
श्रीचंद्र पाण्डेय
ISBN 81-7769-276-3
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४५/-
आकार : १०२×१५२ मि.मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पुस्तक में गांधी दर्शन के समता मूलक तथ्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया है कि सहयोग-मूलक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय अर्थनीति एवं राजनीति अपनाते हुए महात्मा गांधी के मौलिक सिद्धान्तों के व्यवहारिक अनुसरण से ही विश्व-शांति सुनिश्चित है।

गांधी और विश्वशांति
देवीदत्त शर्मा
ISBN 81-7769-392-1
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४५/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

लेखक स्वतन्त्रता सेनानी एवं प्रख्यात साहित्यकार थे। उन्होंने लिखा है कि-'साबरमती आश्रम से दुनिया को नव-चैतन्य मिल रहा है, क्योंकि यह रामराज्य की एक प्रयोगशाला है।' इसे पढ़ते समय पाठक को गांधीजी के सानिध्य की अनुभूति होती है।

बापू के आश्रम में
हरिभाऊ उपाध्याय
ISBN 81-7769-356-5
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४५/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

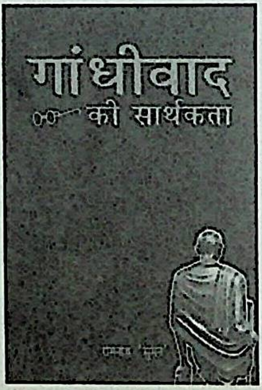

गांधीवाद के तत्वज्ञान की समझ के लिये बुद्धि से अधिक विवेक पर बल प्रदान किया गया है। गांधीजी स्पष्ट रूप से कहते हैं कि 'मेरे जीवन में कोई भी भोगौलिक बन्धन नहीं है' अर्थात् गांधीवाद विश्व-बन्धुत्व का प्रबल उद्घोष है।

गांधीवाद की सार्थकता
रामनाथ 'सुमन'
ISBN 81-7769-405-7
पेपरबैक, मूल्य : रु० ५०/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गांधी दर्शन

मोहन दास करमचन्द गांधी का जीवन मानवता की सेवा के लिये अर्पित था। फलतः भारतवासियों ने आपको 'महात्मा' के स्वरूप में अपनी आस्था में सर्वोच्च स्थान दिया तथा उन्हें राष्ट्रपिता की उपाधि से सम्मानित किया। गांधीजी ने भारतवर्ष की स्वतंत्रता आंदोलन में निर्णायक भूमिका का सफल निर्वाह करते हुए आम-जन के सर्वकल्याण की दिशा में सदैव पथ-प्रदर्शक रहे। पाठकों के पत्रों का आपके माध्यम से दिये गये प्रभावशाली उत्तर पर प्रकाशित पुस्तकों का संकलन यहां प्रस्तुत है-

गीता का अर्थ
महात्मा गांधी
ISBN 81-7769-352-2
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४५/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

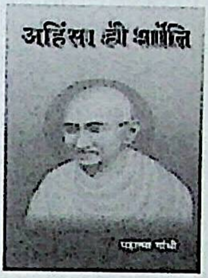

अहिंसा ही शांति
महात्मा गांधी
ISBN 81-7769-354-9
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४५/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

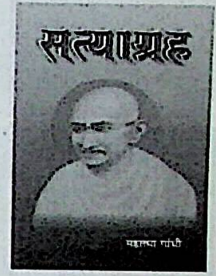

सत्याग्रह
महात्मा गांधी
ISBN 81-7769-355-7
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४५/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

अहिंसा
महात्मा गांधी
ISBN 81-7769-353-0
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४५/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

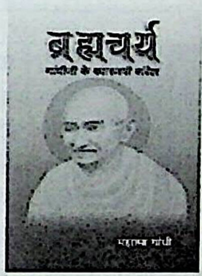

ब्रह्मचर्य
महात्मा गांधी
ISBN 81-7769-226-7
पेपरबैक, मूल्य : रु० ७५/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

हिन्द स्वराज
महात्मा गांधी
ISBN 81-7769-397-2
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४५/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

यह काव्य रचना अमर भक्तिग्रंथ है। राधा की कृष्ण भक्ति की निर्मल धारा से प्रवाहित सभी पंक्तियां आध्यात्मिक भाव में डूबाने में सक्षम है। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने सफल भावानुवाद कर जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया है।

गीत गोविंदानन्द-जयदेव
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा अनुदित
ISBN 81-7769-231-3
पेपरबैक, मूल्य : रु० ५५/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

लेखक ने अपने गहन अध्ययन से श्रीमद्भागवत गीता के संदेश को क्षेत्रीय भाषा अवधी में काव्यात्मक अभिव्यक्त किया है, जिसे सुमधुर स्वरों में हर पल गुनगुनाते हुए सद्कर्म के लिये प्रेरित हुआ जा सकता है।

श्रीकृष्णोपदेश
रामाधार पाण्डेय
ISBN 81-7769-371-9
पेपरवैक, मूल्य : रु० ४०/-
आकार : १०२×१५२ मि. मी.

उद्धव-शतक
जगन्नाथदास रत्नाकर
ISBN 81-7769-393-X
हार्डबैक, मूल्य : रु० १२५/-
आकार : १७८×१२१ मि. मी.

उद्धव-शतक ब्रजभाषा के इतिहास में अविस्मरणीय काव्य-ग्रंथ है, जिसकी एक-एक पंक्ति पाठक को रसबोर करने में इस प्रकार सक्षम है कि भगवान् श्रीकृष्ण की मनभावन, मनमोहक श्यामल छवि तथा उनकी 'लीला', उद्धव के ब्रह्मज्ञान की सात्विक छटा एवं गोपियों की अठखेलियों के साथ प्रस्तुत तत्व-ज्ञान का तेज पाठक के चेतन-अचेतन में इस प्रकार गूंजने लगता है कि मानो सब कुछ अभी-अभी आंखों के समक्ष घट रहा हो।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

जब अंतर्मन की श्रद्धा भक्ति-भावना में परिवर्तित हो जाती है, तब साईं बाबा की तस्वीर के सिवा कुछ भी हृदय में बस ही नहीं पाता। गीतकार ने भोजपुरी गीतों के माध्यम से अपनी भक्तिभाव को सहजता के साथ व्यक्त किया है।

साईं भजनावली
हरिराम द्विवेदी
ISBN 81-7769-044-2
पेपरबैक, मूल्य : रु० ६०/-
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

लोक जीवन की परम्पराओं में रचे बसे भोजपुरी गीतों का अनमोल उपहार है-अँगनइया। कविहृदय रचनाकार ने अपनी तुलिका से अपने आस-पास की लोकरीतियों एवं परम्पराओं की एक अविस्मरणीय एवं अनूठी माला गूंथने की चेष्टा की है।

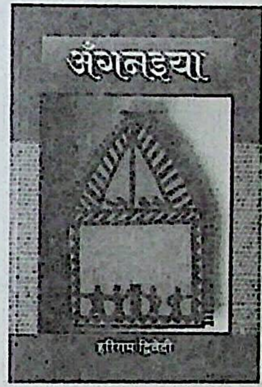

अँगनइया
हरिराम द्विवेदी
ISBN 81-7769-012-4
पेपरबैक, मूल्य : रु० ६०/-
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

कल्पना और यथार्थ के सुयोग से जब सृजन होता है, तो वह लेता है एक प्रेरक काव्य-ग्रंथ का आकार-'एक सूर्य यह भी'। जी हां, इसमें अंकित कविताओं में जीवन के यथार्थ का मनोरम एवं प्रेरक चित्रण प्रस्तुत किया गया है।

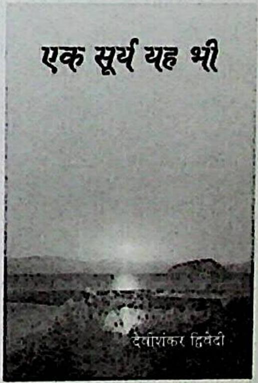

एक सूर्य यह भी
देवीशंकर द्विवेदी
ISBN 81-7303-014-6
पेपरबैक, मूल्य : रु० १९५/-
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

उर्दू शायरी में मीर साहब का अन्दाजे-बयाँ कुछ ऐसा है कि अभिव्यक्ति के भाव-तरंगों में सभी डूबने-उतराने लगते हैं, क्योंकि उनकी शेरो-शायरी में वेदना की आहों का प्रतिबिम्ब है, जिसका अर्थ-बोध है कि दुःख ही सुख की छाँव है।

कविरत्न मीर
रामनाथ लाल 'सुमन'
ISBN 81-7769-464-2
पेपरबैक, मूल्य : रु० ६५/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

उपभोक्ता सेवा

पुस्तकों के सम्बन्ध में अगर आपके समक्ष किसी भी प्रकार की समस्या हो तो फैक्स एवं इमेल पर हमें शीघ्र ही आवश्यक संदेश एवं निर्देश भेजें-

www.pilgrimsbooks.com

पिलग्रिम्स बुक हाउस
बी० 27/98-ए-8, दुर्गाकुण्ड,
वाराणसी-221010
फोन- (91-542) 2314060
फैक्स-(91-542) 2312456
email-pilgrims@satyam.net.in

पिलग्रिम्स बुक हाउस
पो० बा० नं०-3872,
थमेल, काठमाण्डू, नेपाल।
फोन-(977-1) 4700516, 4700942, 4700919
फैक्स-(977-1) 4700943
email-pilgrims@wlink.com.np

पिलग्रिम्स बुक हाउस
2391, तिलक स्ट्रीट, चूना मण्डी, पहाड़गंज,
नई दिल्ली-110055
फोन-91-11-23584015, 23584019
फैक्स-91-11-23584019
e-mail-pilgrimsinde@gmail.com

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्राचीन कालगणना का प्रतीक है–पंचांग। गणीतिय जोड़, घटाना, गुणा, भाग के सार्वभौमिक सूत्रों के आधार पर काल–चक्र की गतिविधियों की भविष्यवाणी की जाती है। इस पुस्तक से पंचांग के मूल सिद्धान्तों से सभी परिचित हो सकेंगे।

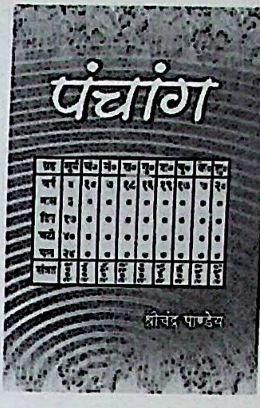

पंचांग
श्रीचंद्र पाण्डेय
ISBN 81-7769-277-1
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४५/–
आकार : १०२×१५२ मि.मी.

ज्योतिष विद्या वेद से प्रभावित है। ज्योति+ईश=ज्योतिप, इस सन्धि विच्छेद से स्पष्ट हो जाता है कि ईश की ज्योति से ही भविष्य की घटनाओं की जानकारी संभव है। पुस्तक में ज्योतिष के मूलतत्वों पर प्रकाश डाला गया है।

ज्योतिष के मूलतत्व
श्रीचंद्र पाण्डेय
ISBN 81-7769-279-8
पेपरबैक, मूल्य : रु० ३५/–
आकार : १०२×१५२ मि.मी.

इस पुस्तक से जीवन की लाभ–हानि, दोस्त–दुश्मन, जीवन–मरण, विवाह, पुत्र–पुत्री, धन–धान्य, पशु–पक्षी, पति–पत्नी, भाई–बहन, ऐश्वर्य–वैराग्य आदि के सम्बन्ध में अनुत्तरित प्रश्नों के सरल उत्तर की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

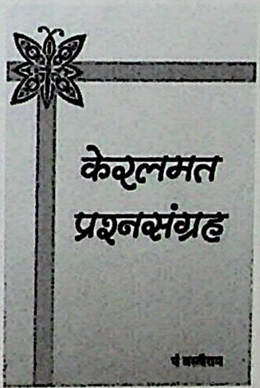

केरलमत प्रश्नसंग्रह
पं० वस्तीराम
ISBN 81-7769-271-2
पेपरबैक, मूल्य : रु० ३५/–
आकार : १०२×१५२ मि. मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

जन्म के पूर्व ही विधाता मनुष्य के मस्तक पर जो भी शुभ-अशुभ लिख देता है, उसी से जीवन का हर पल संचालित होता रहता है। यह पुस्तक नियति की अनबूझ पहेली को उजागर कर सबका पथ-प्रदर्शन करता है।

ग्रहों का प्रभाव
बालकृष्ण भट्ट
ISBN 81-7769-275-5
पेपरबैक, मूल्य : रु० ६५/-
आकार : १०२×१५२ मि.मी.

सर्वविदित है कि अंतरिक्ष में हजारों मील दूर अवस्थित ग्रहों की गति तथा किरणों से पृथ्वी का जन-जीवन संचालित होता है। कोई भी साक्षर व्यक्ति अपने जन्मांग से अपनी नियति को जानकर जीवन में लाभान्वित हो सकता है।

ग्रहभाव फलादेश
पं० अच्युतानंद मिश्र
ISBN 81-7769-238-0
पेपरबैक, मूल्य : रु० ५०/-
आकार : १०२×१५२ मि.मी.

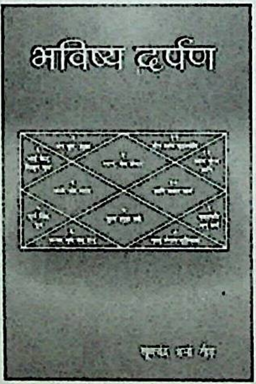

शुभ मुहूर्त्त से जिस कार्य का शुभारंभ किया जाता है, उसका परिणाम या प्रतिफल शुभ एवं सुखद होता है। शुभ मुहूर्त्त को ही ध्यान में रखकर यह पुस्तक लिखी गयी है कि किसी भी व्यक्ति को शुभ मुहूर्त्त का शीघ्र-बोध हो जाये।

भविष्य दर्पण
खूबचंद्र शर्मा
ISBN 81-7769-239-9
पेपरबैक, मूल्य : रु० ५०/-
आकार : १०२×१५२ मि.मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

श्रीराम के भक्त हनुमान जी को ज्योतिष का सर्वश्रेष्ठ ज्ञान था। इस पुस्तक में दिये गये चक्र के माध्यम से अपनी समस्याओं का सटीक तथा सहज उत्तर कोई भी पा सकता है। साथ ही काक चरित्र, स्पन्द चरित्र, राम चरित्र, प्रसूति प्रसंग की भी उल्लेख किया गया है।

हनुमत् ज्योतिष
पं० महाराजदीन दीक्षित
ISBN 81-7769-412-X
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४५/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

शनि सदैव कष्टकारी नहीं होता, वह कुछ के लिये पीड़ादायक है तो कुछ के लिये शुभ भी है। इस पुस्तक में बताये गये शनि के मंत्रों का जप तथा पूजन-अर्चन का पालन करते हुए अगर आवश्यक सावधानी बरती जाये तो शनि का फल कल्याणकारी होता है।

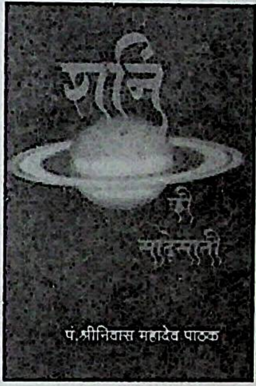

शनि की साढ़ेसाती
पं० श्रीनिवास महादेव पाठक
ISBN 81-7769-360-3
पेपरबैक, मूल्य : रु० ५०/-
आकार : १०२×१५२ मि.मी.

घाघ भड्डरी एक ऐसा लोकप्रिय नाम है, जो भारतीय किसानों के स्मरण-पटल पर अंकित है। सत्रहवीं शताब्दी में जन्में घाघ भड्डरी ने भारत की कृषि प्रधान व्यवस्था को ध्यान में रखकर अनगिनत सार्थक भविष्यवाणियां की, जो आज भी सत्य साबित हो रही हैं।

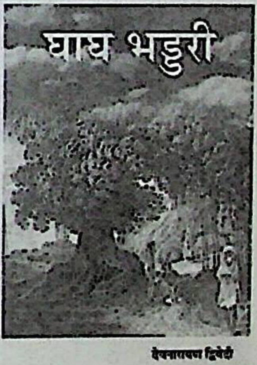

घाघ भड्डरी
देवनारायण द्विवेदी
ISBN 81-7769-367-0
पेपरबैक, मूल्य : रु० ५०/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

जीवन नीति उपदेश (मोटीवेशन)

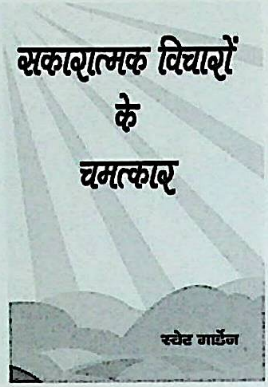

प्रख्यात विद्वान् स्वेट मार्डेन की पुस्तकों का अनेकों भाषाओं में अनुवाद हो चुका है व विश्व के करोड़ो लोगों ने आपकी सकारात्मक व प्रेरणा देने वाली बातों से अपने जीवन को उन्नति व प्रगति के मार्ग पर अग्रसर किया। इसे पढ़े और अपने जीवन को समुन्नत करें।

सकारात्मक विचारों के चमत्कार
स्वेट मार्डेन
ISBN 81-7769-516-9
पेपरबैक, मूल्य : रु० ५५/-
आकार: १२१×१७८ मि. मी.

वर्तमान समय में बुद्धि और स्वास्थ्य के संतुलन से ही जीवन की मर्यादा के आदर्श का निर्वाह सम्भव है। पुस्तक में पारिवारिक एवं सांसारिक जीवन के कर्त्तव्य निर्वाह के लिये आत्मबल, आचरण-व्यवहार एवं स्वास्थ्य की उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया है।

आदर्श जीवन
रामचंद्र शुक्ल
ISBN 81-7769-459-6
पेपरबैक, मूल्य : रु० ७०/-
आकार: १२१×१७८ मि. मी.

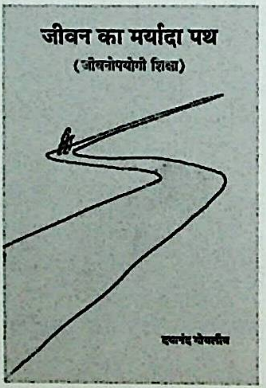

पुस्तक में बताया गया है कि जीवन में पग-पग पर अगर कांटे हैं तो फूलों की सुगंध की सुखद अनुभूतियां भी हैं। अगर बाल्यकाल से वृद्धकाल तक मनुष्य अपनी भूमिकाओं का मार्यादित निर्वाह करे तो जीवन-पथ फूलों के सुगंध से आच्छादित हो जाता है।

जीवन का मर्यादा पथ
दयानंद गोयलीय
ISBN 81-7769-363-8
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४०/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

www.pilgrimsbooks.com

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

जीवन नीति उपदेश (मोटीवेशन)

यह पुस्तक सर्वप्रिय ग्रन्थ है, क्योंकि सभी माता-पिता की कामना आदर्श पुत्र-पुत्रियों की होती है ...और बाल-मन के लाभार्थ इसलिये है कि इसकी भाषा-शैली मनोरंजक होते हुए नैतिक सम्वर्धन को पुष्ट करती है।

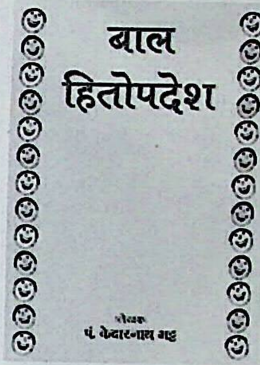

बाल हितोपदेश
पं. केदारनाथ भट्ट
ISBN 81-7769-366-2
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४५/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

इसमें बताये गये नियमों का पालन करने से युवावर्ग के नैतिक चरित्र निर्माण में गुणात्मक विकास होगा तथा दूसरों के लिये भी प्रतीक बनेगा। वर्ष १७५१ में प्रकाशित एक अंग्रेजी पुस्तक का यह हिन्दी-अनुवाद है।

जीवन का सद्व्यय
हरिभाऊ उपाध्याय
ISBN 81-7769-515-0
पेपरबैक, मूल्य : रु० ६५/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

प्रेरक जीवन-चरित्र

प्रसिद्ध वैज्ञानिक श्रीमती क्यूरी ने रेडियम का आविष्कार किया था, जिसका प्रयोग एक्स-रे के रूप में किया जाता है। दो बार नोबुल पुरस्कार प्राप्त करने वाली वे एकमात्र वैज्ञानिक हैं। वे सभी के लिये प्रेरणास्रोत हैं।

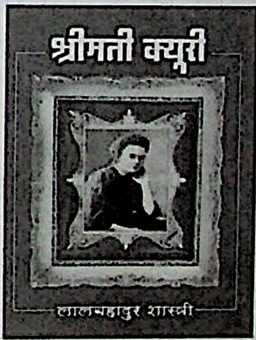

श्रीमती क्यूरी
लालबहादुर शास्त्री
ISBN 81-7769-399-9
पेपरबैक, मूल्य : रु० ६५/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अद्वितीय योद्धा पृथ्वीराज चौहान अन्तिम हिन्दू सम्राट, आख़िर ऐसा क्यों? इस पुस्तक को पढ़ने से उपर्युक्त प्रश्न का उत्तर मिल जाता है। अतः यह निष्कर्ष निकालें कि क्यों डूबा हिन्दुओं का सूर्य? और हमें भविष्य में क्या करना चाहिये?

पृथ्वीराज चौहान
पं० रामनरेश त्रिपाठी
ISBN 81-7769-461-8
पेपरबैक, मूल्य : रु० ८०/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

स्वतंत्रता प्रेमियों में महाराणा प्रताप का नाम शिखर पर आसीन है, उन्होंने अपने त्याग, बलिदान, शौर्य, वीरता और सहिष्णुता से देश की स्वतंत्रता एवं स्वाभिमान को अक्षुण्य बनाये रखने का सभी देशवासियों को संदेश दिया है।

महाराणा प्रताप
कौशल प्रसाद जैन
ISBN 81-7769-408-1
पेपरबैक, मूल्य : रु० ५५/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

छत्रपति शिवाजी का दैदिप्यमान शौर्य तथा उनकी राजनीतिक व्यवस्था हर काल-खण्ड में सामयिक एवं प्रभावी है। मुगल शासक औरंगजेब जब हिन्दुत्व को कुचलने के लिये अग्रसर हुआ तो छत्रपति शिवाजी का शौर्य उसके बढ़ते कदम को रोक दिया।

छत्रपति शिवाजी
पं० लक्ष्मीधर वाजपेयी
ISBN 81-7769-463-4
पेपरबैक, मूल्य : रु० ५०/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

यह पुस्तक औरंगजेब के शासन काल में हिन्दुओं पर हुए घोर अत्याचार का गुरु गोविन्द सिंह द्वारा किये गये प्रतिरोध का विस्तृत परिचय देने में सक्षम है। पुस्तक में सिक्ख धर्म के सभी दस गुरुओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी भी दी गई है।

गुरु गोविन्द सिंह
राधामोहन गोकुल
ISBN 81-7769-462-6
पेपरबैक, मूल्य : रु० ५०/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

साईबाबा भक्तों की दृष्टि में ईश्वर हैं। उनके तेज प्रताप से देश विदेश में असंख्य भक्त अपनी समस्याओं से मुक्त हो रहे हैं। हिन्दीभाषी भक्तों की भी बड़ी संख्या है, जबकि आपके ऊपर हिन्दीभाषा में बहुत कम पुस्तकें उपलब्ध हैं। पढ़ें और जानें साईबाबा को।

साई नाम सुखदाई
राधे मोहन राय
ISBN 81-7769-618-1
पेपरबैक, मूल्य : रु० ७५/-
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

जब भी अज्ञान के अंधकार में फंस कर मानवता सिसकने लगती है तो परमेश्वर मानव मूर्ति के रूप में अवतार लेते हैं। वर्तमान समय में परमेश्वर स्वरूप सत्य साई बाबा मानवता के उद्धार एवं सर्वकल्याण के रूप में दक्षिण भारत में अवस्थित हैं। पढ़ें और लाभान्वित हों।

साई अवतार
राधे मोहन राय
ISBN 81-7769-637-8
पेपरबैक, मूल्य : रु० ७५/-
आकार : १४०×२१६ मि. मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

भक्ति परम्परा में एक उल्लेखनीय नाम है 'मीरा'। अपने जीवन के अंतिम काल तक वे स्व-रचित भजनों से श्रीकृष्ण की भक्ति-तपस्या में लीन रहते हुए यह सन्देश देती रहीं कि सभी मनुष्यों का अंतिम कर्तव्य ईश्वरानुराग ही है।

मीराबाई
कार्तिक प्रसाद क्षत्री
ISBN 81-7769-273-9
पेपरबैक, मूल्य : रु० २५/-
आकार : १०२×१५२ मि. मी.

सैकड़ों वर्ष पूर्व अरब क्षेत्र के दग्ध रेगिस्तान में अमर साध्वी राविया का उद्भव हुआ था, जिनका त्यागमय जीवन सभी के लिये प्रेरणास्रोत है। वे कहती थीं-'हे परमेश्वर, मुझे दूसरों के दु:ख, दूसरों की पीड़ा हरने की क्षमता प्रदान करें।'

राविया
पं० केदारनाथ पाठक
ISBN 81-7769-272-0
पेपरवैक, मूल्य : रु० २५/-
आकार : १०२×१५२ मि. मी.

अहिल्याबाई होलकर धार्मिक प्रवृत्ति की महिला शासक थीं। प्रसिद्ध तीर्थस्थल काशी के सभी शिव मंदिरों का उन्होंने बड़ी श्रद्धा से जीर्णोद्धार कराया। दु:ख में भी उन्होंने प्रजा को पुत्रवत् स्नेह दिया-यह जानने का माध्यम उनकी जीवनी ही है।

अहिल्याबाई होल्कर
गोविन्दराम केशवराम जोशी
ISBN 81-7769-407-3
पेपरवैक, मूल्य : रु० ५०/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

धम्मपद कालजयी ग्रंथ है। अगर यह कहा जाये कि विश्व के पुस्तकालय में संचित कोई भी ग्रंथ इसकी तुलना में गौण है, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। लेखक म्यांमार (आरकन) के निवासी थे तथा जीवनपर्यन्त बुद्ध दर्शन का प्रचार-प्रसार करते रहे।

धम्मपद
चंद्रमणि भिक्खु
ISBN 81-7769-232-1
पेपरबैक, मूल्य : रु० ६०/-
आकार : १०२×१५२ मि. मी.

इस नाटक में जीवन के नश्वरता पर प्रकाश डालते हुए बताया गया है कि जीवन का अंतिम उद्देश्य सत्य की प्राप्ति है। नाट्य क्षेत्र में गिरिशचंद्र घोष का नाम लब्ध प्रतिष्ठित है। नाटक के सरल एवं सहज संवाद दर्शकों को शांति के मार्ग पर प्रेरित करने में सक्षम है।

भगवान् बुद्ध (नाटक)
गिरिशचंद्र घोष
ISBN 81-7769-357-3
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४०/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

नाट्य कला को अभिव्यक्ति का प्रभावशाली माध्यम माना जाता है, क्योंकि दर्शक अपने आपको नाटक का एक पात्र समझने लगता है। महात्मा बुद्ध नाटक भी इसी तथ्य को अभिव्यक्त कर रहा है तथा दर्शकों पर प्रभाव छोड़ने तथा प्रेरित करने में सक्षम है।

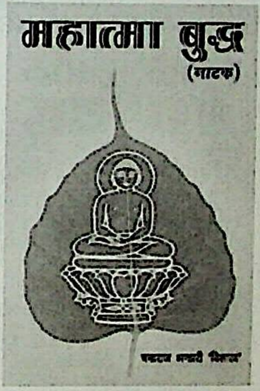

महात्मा बुद्ध (नाटक)
चन्द्रराज भण्डारी
ISBN 81-7769-457-X
पेपरबैक, मूल्य : रु० ३५/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बुद्ध दर्शन

वर्तमान समय के संक्रमणकाल में अगर शांति के लिये कहीं भी आशा की किरण नजर आ रही है, तो वह है 'बुद्ध संदेश', जो अशान्त मानव को सद्मार्ग पर ले जाने की प्रेरणा देता है। इस पुस्तक को पढ़ने के साथ-साथ औरों को भी अध्ययन-मनन के लिये प्रेरित करें।

बुद्ध संदेश
तथागत भिक्खु
ISBN 81-7769-359-X
पेपरबैक, मूल्य : रु० ३५/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

बौद्धधर्म को हिन्दूधर्म का विरोधी बताते हुए कहा जाता है कि आदिगुरु शंकराचार्य के कारण भारतवर्ष से बौद्ध धर्म विलुप्त हुआ, जबकि दोनों धर्म एक-दूसरे के पूरक हैं। आप सभी इस पुस्तक का अध्ययन, मनन और चिंतन करके निर्धारित करें कि सच क्या है?

बुद्ध और हिन्दूधर्म
तथागत भिक्खु
ISBN 81-7769-358-1
पेपरबैक, मूल्य : रु० ३५/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

बालकों के लिये

बालक तथा बालिकाओं के शिशुमन को ध्यान में रखकर खूबसूरत अक्षरों में हिन्दी वर्णमाला का प्रकाशन इसलिये किया गया है कि बालमन देखते हीं अक्षरों से परिचित हो जायें तथा स्वाभाविक प्रवृत्ति से पढ़ने-लिखने लगें।

सृजनात्मक स्वर ज्ञान
डॉ० गणेशन्
ISBN 81-7769-472-3
पेपरबैक, मूल्य : रु० ६५/-
आकार : १८४×२४१ मि.मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

योग शास्त्र में सूर्यभेदन व्यायाम से सूर्य-चक्र जागृत होता है, जिससे शरीर के प्रमुख आंतरिक अंग पेट, आंत, यकृत, फेफड़ा, किडनी आदि स्वस्थ एवं नीरोग रहते हैं। अतः सूर्यभेदन व्यायाम सभी आयु वर्ग के स्त्री-पुरुषों के लिये लाभदायक है।

सूर्यभेदन व्यायाम
दामोदर सातवलेकर
ISBN 81-7769-228-3
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४०/-
आकार : १०२×१५२ मि.मी.

आदर्श स्वास्थ के लिये योग साधना को पहली और अंतिम शर्त माना जाता है, क्योंकि योग साधना से चित्तवृत्तियों का निरोध होने से मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य सुनिश्चित है। इस पुस्तक को पढ़ें और योग साधना करें।

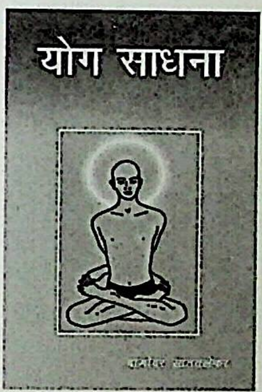

योग साधना
दामोदर सातवलेकर
ISBN 81-7769-235-6
पेपरबैक, मूल्य : रु० ६५/-
आकार : १०२×१५२ मि. मी.

योगासन की एकरूपता को दृष्टिगत रखते हुए इस पुस्तक में शरीर के सभी अंगों के व्यायाम की उपयोगिता के सम्बन्ध में सरल व्याख्या के साथ बताया गया है कि एक सुनिश्चित समय पर योगासन करने से व्यक्ति को पर्याप्त ऊर्जा प्राप्त होती है।

योगासन
विद्या भास्कर शुक्ल
ISBN 81-7769-229-1
पेपरबैक, मूल्य : रु० ६०/-
आकार : १०२×१५२ मि.मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्राणायाम का संधि-विच्छेद प्राण+ आयाम है। प्राण यानि सांस और आयाम का अर्थ है–विस्तार। भारतीय योगियों ने प्राणायाम पर सदैव ही अपना ध्यान केंद्रित किया है। पुस्तक में प्राणायाम की विस्तृत एवं सरल व्याख्या की गयी है।

प्राणायाम
प्रसिद्ध नारायण सिंह
ISBN 81-7769-230-5
पेपरबैक, मूल्य : रु० ६०/-
आकार :१०२×१५२ मि.मी.

मानसिक और शारीरिक उत्थान के लिये योगासन को आवश्यक व्यायाम पद्धति की मान्यता दी गई है। मनुष्य के सुघड़ स्वास्थ हेतु इस पुस्तक में ९५ आसनों को क्रमवार प्रस्तुत किया गया है। कृपया आप-सभी इसका लाभ उठायें।

चौरासी आसन
श्रीनृसिंह शर्मा
ISBN 81-7769-237-2
पेपरबैक, मूल्य : रु० ४०/-
आकार : १०२×१५२ मि.मी.

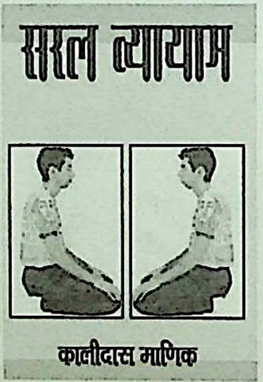

इस पुस्तक में बालिकाओं के लिये आवश्यक व्यायाम पद्धति पर प्रकाश डाला गया है। ज्ञातव्य है कि नारी-शक्ति ही समाज एवं देश की सुदृढ़ स्थिति की सशक्त नींव है। बालिकाओं को व्यायाम के लिये प्रेरित करें।

सरल व्यायाम
कालिदास माणिक
ISBN 81-7769-370-0
पेपरबैक, मूल्य : रु० ३५/-
आकार : १२१×१७८ मि.मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

हर व्यक्ति गुणी होता है। वह चाहे बुद्धिमान् हो या मूर्ख, उसके गुणों का अभिनन्दन अवश्य होना चाहिये। यह पुस्तक अभिनन्दन पत्रों का संग्रह है, जिसे पढ़कर आप सोचेंगे कि काश! मेरा भी अभिनन्दन होता। लेखक प्रसिद्ध चिकित्सक एवं समाजसेवी हैं।

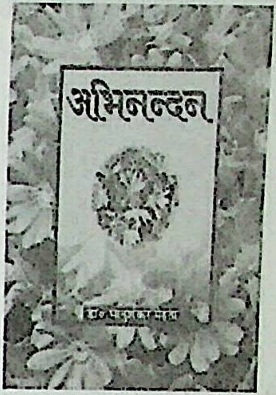

अभिनन्दन
डा० भानुशंकर मेहता
ISBN 81-7769-077-9
पेपरबैक, मूल्य : रु०२६५/-
आकार : २१६×२८० मि.मी.

जो काशी आया, काशी का हो गया। क्योंकि यहां अध्ययन, तप, समर्पण, त्याग व सेवा का वातावरण है। काशी के सहज जीवन की सरल व्याख्या करने में पुस्तक की कथानक सामग्री सक्षम है। लेखक 'चना, चबेना एवं गंगाजल' में विश्वास रखते हैं।

सो कासी सेइअ कस न
डा० भानुशंकर मेहता
ISBN 81-7303-259-9
पेपरबैक, मूल्य : रु० १५०/-
आकार : १४०×२१६ मि.मी.

वर्तमान समय में अमेरिका कच्चे पेट्रोल के माध्यम से विश्व अर्थव्यवस्था को नियन्त्रित करने का प्रयास कर रहा है। भारत का कमजोर पक्ष पेट्रोल एवं डीजल है। पुस्तक में बताया गया है किस प्रकार पेट्रोल के सन्दर्भ में भारत स्वावलम्बी बनेगा।

पेट्रोल आसान है कीमत गिराना
मिथिलेश झा
ISBN 81-7769-413-8
पेपरबैक, मूल्य : रु० ७५/-
आकार : १२१×१७८ मि. मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

संगीत

पुस्तक में व्याख्या की गई है कि सांगीतिक स्वर की अवधारणा क्षेत्रीय विशेष नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व के लिये सुखद है। पुस्तक संगीत के साधकों तथा शिक्षार्थियों के पथ-प्रदर्शन में सक्षम है।

स्वर दर्शन
डा० प्रकाश कुमार
प्रियंका श्रीवास्तव
ISBN 81-7769-281-X
पेपरवैक, मूल्य : रु० १५०/-
आकार : १४०×२१६ मि.मी.

स्वास्थ्य

भोजन में कई तरह के वनस्पति घी, तेल, मसालों ने अपना प्रभाव जमा लिया है। फलत: हम सभी का स्वास्थ्य प्रभावित होता जा रहा है। पुस्तक में बताया गया है कि सुघड़ स्वास्थ्य हेतु सादा भोजन ही उचित है।

भोजन ही अमृत
महेन्द्रनाथ पाण्डेय
ISBN 81-7769-282-8
पेपरवैक, मूल्य : रु० ५०/-
आकार : १०२×१५२ मि.मी.

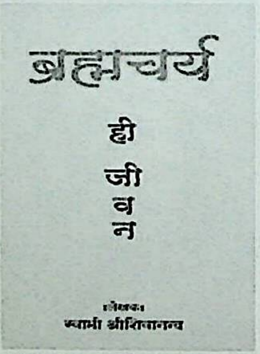

वर्तमान समय में वीर्यनाश के कारण यौवन काल में ही भविष्य की आशा युवावर्ग कुम्हला चुका है तथा ब्रह्मचर्य के तेज का लोप हो चुका है। पुस्तक में उल्लिखित सन्दर्भों के अध्ययन-पालन से आत्मोद्धार सुनिश्चित है।

ब्रह्मचर्य ही जीवन
स्वामी श्रीशिवानन्द
ISBN 81-7769-369-7
पेपरवैक, मूल्य : रु० ४०/-
आकार : १०२×१५२ मि.मी.

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

इस पुस्तक में हिन्दी, संस्कृत, डोंगरी, प्राकृत आदि के विविध पक्षों पर विचारपूर्ण सामग्री संकलित की गई है। लिपिशास्त्र, कोशकला, अनुवाद, विमानकाव्य, व्याकरण-शास्त्र, रामभक्ति साहित्य-शोध, भाषाओं का तुलनात्मक अध्ययन पर उपयोगी लेख संकलित किये गये हैं।

भाषा भी : साहित्य भी
कैलाशचन्द्र भाटिया
पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु'
ISBN 81-7624-077-X
पेपरबैक, मूल्य : रु० २५०/-
आकार : १४०×२१६ मि.मी.

उपभोक्ता सेवा

पुस्तकों के सम्बन्ध में अगर आपके समक्ष किसी भी प्रकार की समस्या हो तो फैक्स एवं इमेल पर हमें शीघ्र ही आवश्यक संदेश एवं निर्देश भेजें-

www.pilgrimsbooks.com

पिलग्रिम्स बुक हाउस
बी० 27/98-ए-8, दुर्गाकुण्ड,
वाराणसी-221010
फोन- (91-542) 2314060
फैक्स-(91-542) 2312456
email-pilgrims@satyam.net.in

पिलग्रिम्स बुक हाउस
पो० बा० नं०-3872,
थमेल, काठमाण्डू, नेपाल।
फोन-(977-1) 4700516, 4700942, 4700919
फैक्स-(977-1) 4700943
email-pilgrims@wlink.com.np

पिलग्रिम्स बुक हाउस
2391, तिलक स्ट्रीट, चूना मण्डी, पहाड़गंज,
नई दिल्ली-110055
फोन-91-11-23584015, 23584019
फैक्स-91-11-23584019
e-mail-pilgrimsindc@gmail.com

www.pilgrimsbooks.com

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

उम्लिएका पीडाहरु
(कविता संग्रह)
नारायणप्रसाद मिश्र
ISBN 81-7769-195-3
पेपरबैक, मूल्य : रु० ९०/-
आकार: १४०×२१६ मि.मी.

सानै उमेरमा म गोरखापत्र छापाखानामा जागिरे भए। जुन बेला श्री प्रेमराज शर्मा नै गोरखापत्रको सम्पादक हुनुहुन्थ्यो। त्यहाँ म पछि जागिरे काममै आउनु भएका प्रसिद्ध लेखक श्री भैरव अर्यालजीसंग मेरो भेट भयो। सायद यही बेला प्रकाशित उहाँको काउकुतीको प्रति १ उहाँले सस्नेह मलाई दिनु भएको थियो। म एक छु वा एक भित्रै दुई छु मलाई कसैले बताइ दिएनन्।

सङ्गीतको विस्तृत अवलोकन
रामशरण दर्नाल
ISBN 81-7769-050-7
पेपरबैक, मूल्य : रु० १८९/-
आकार : १७७×२३८ मि. मी.

प्रस्तुत पुस्तक पाश्चात्य सङ्गीतको प्रारम्भिक ज्ञानका लागि तयार पारिएको हो। यसमा संगीतवर्णमाला, स्टाफ, क्लेफ, स्वर लिपि अलंकार, तालचिन्हहरु, कीसिंगनेचर, मोड्स, क्याडेन्स, स्वरान्तर, कर्ड बनाउने तरिका, स्वरपरिधि, अर्केष्ट्राहरुको नामाकरण र पाश्चात्य संगीत शैलीका नामाकरण आदि दिइएका छन्। यह ग्रन्थ त्यत्तिकै उपयोगी सिद्ध हुन सक्छ।

प्रजातन्त्र र जनआवाज
नारायण प्रसाद मिश्र
ISBN 81-7769-196-1
पेपरबैक, मूल्य : रु० १२५/-
आकार : १४०×२१७ मि. मी.

भक्तपुरमा जन्मी, हुर्की पढाइ र कामको सिलसिलामा काठमाडौ कुलेश्वर बसोबास गर्ने लेखकने त्रिभुवन विश्वविद्यालयका निवृत्त विशिष्ट श्रेणीका अधिकृत हुनहुन्छ। दिल्ली विश्वविद्यालयको स्नातकोत्तर उपाधिबाट विभूपित शैक्षिक प्रशासनमा लामो अनुभव छ। सत्य र तथ्यको आधार–मा विवेक नछोडी मुलुक र जनताको लागि बोल्ने र लेख्ने उहाँको बानी छ।

नेपाल का नक्शा

पिलग्रिम्स बुक हाउस नेपाल देश का सम्पूर्ण नक्शा आप सबकी सेवा में प्रस्तुत कर रहा है, जिसमें सड़क मार्ग, हवाई मार्ग, ट्रेकिंग रूट एवं पर्वतारोहण आदि की नवीनतम सूचनायें अंकित की गई हैं। साथ ही सैलानियों की सुविधा के लिये सभी उचित जानकारियां उपलब्ध कराई गई हैं। विस्तृत जानकारी के लिये सम्पर्क करें–pilgrims@wlink.com.np

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

हिन्दी की शीघ्र प्रकाश्य पुस्तकें

आरती संग्रह
पिलग्रिम्स प्रस्तुति
ISBN 81-7769-414-6
आकार: १२१×१७८ मि.मी.

श्रीसप्तशती गीता (दुर्गा)
पिलग्रिम्स प्रस्तुति
ISBN 81-7769-514-2
आकार: १२१×१७८ मि.मी.

श्री हनुमान विजय
पं० रामायण त्रिपाठी 'मधुकर'
ISBN 81-7769-659-9
आकार: १२१×१७८ मि.मी.

गीतांजली
रवीन्द्रनाथ टैगोर
अनु.-लालधर त्रिपाठी प्रवासी
ISBN 81-7769-598-3
आकार: १४०×२१६ मि.मी.

सजल आँखों के कोने से
'कौशिक' रवीन्द्र उपाध्याय
ISBN 81-7769-658-0
आकार: १२१×१७८ मि.मी.

लोचनकृत राग तरङ्गिणी
डॉ० रीना सहाय
आकार: १४०×२१६ मि.मी.

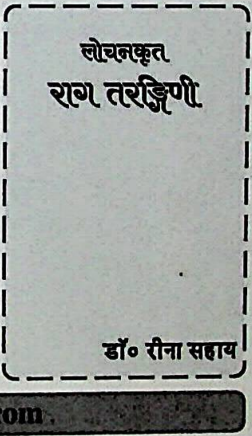

www.pilgrimsbooks.com

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

हिन्दी की शीघ्र प्रकाश्य पुस्तकें

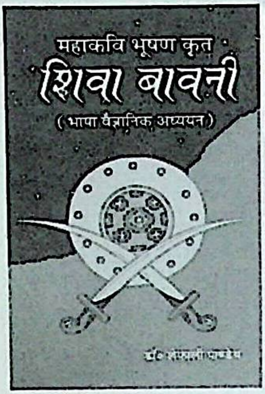

शिवा-बावनी
डॉ० शेफाली पाण्डेय
ISBN 81-7769-655-6
आकार:१४०×२१६ मि.मी.

हम और हमारा भारतीय फलित ज्योतिष
श्याम नारायण 'ज्योतिष'
ISBN 81-7769-559-2
आकार:१५२×२२८ मि.मी.

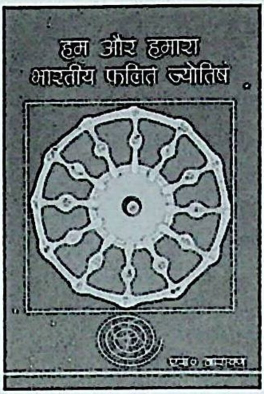

भारतीय पत्रकारिता का व्योम
श्रीनिवास सिंह
आकार:१४०×२१६ मि.मी.

समाचार सम्पादन
प्रेमनाथ चौबे
आकार:१४०×२१६ मि.मी.

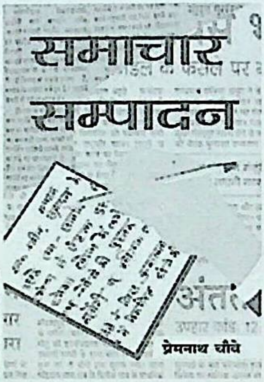

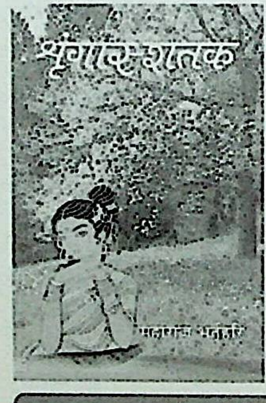

शृंगार-शतक
महाराज भर्तृहरि
ISBN 81-7769-619-X
आकार:१४०×२१६ मि.मी.

गुलिस्तां
शेख सादी
ISBN 81-7769-557-6
आकार:१४०×२१६ मि.मी.

www.pilgrimsbooks.com

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

मनुष्य के कर्त्तव्य
पं० कृष्णनारायण लघाटे
आकार:१२१×१७८ मि.मी.

हम होंगे कामयाब
प्रभाकान्त झा
आकार:१४०×२१६ मि.मी.

मुक्त जीवन की ओर
दादा गावण्ड
ISBN 81-7769-427-8
आकार:१४०×२१६ मि.मी.

अज्ञात की ओर
दादा गावण्ड
ISBN 81-7769-429-4
आकार:१४०×२१६ मि.मी.

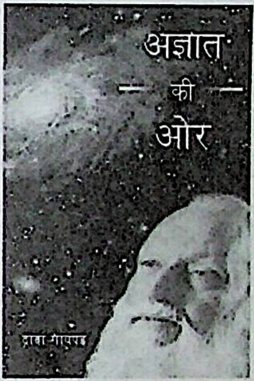

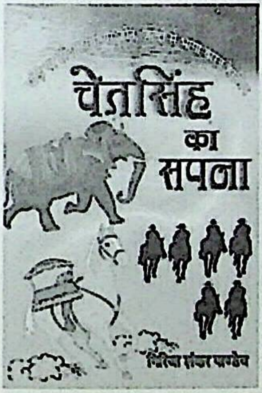

चेतसिंह का सपना
गिरजा शंकर पाण्डेय
आकार:१४०×२१६ मि.मी.

भारत में जल प्रबन्धन
जग नारायण
मधुज्योत्सना
आकार:१४०×२१६ मि.मी.

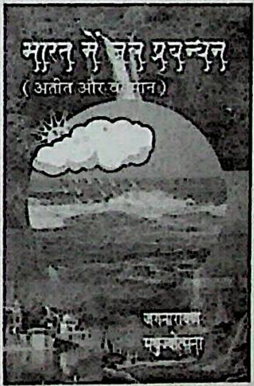

www.pilgrimsbooks.com

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

हिन्दी की शीघ्र प्रकाश्य पुस्तकें

साईं बुल्लेशाह की अमृतवाणी
संकलन-गोपाल ठाकुर
ISBN 81-7769-555-X
आकार:१०२×१५२ मि.मी.

माँ शारदा की अमृतवाणी
संकलन-गोपाल ठाकुर
ISBN 81-7769-558-4
आकार:१०२×१५२ मि.मी.

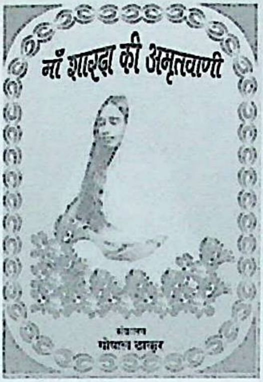

महिलाओं पर अपराध समस्या एवं समाधान
डॉ० संजय,
डॉ० सीताराम सिंह
ISBN 81-7769-638-6
मूल्य : ७५/-
आकार:१४०×२१६ मि.मी.

लोई का ताना
डॉ० रांगेय राघव
ISBN 81-7769-599-1
मूल्य : ६५/-
आकार:१२१×१७८ मि.मी.

पर्यावरण और जन-स्वास्थ्य
श्रीनिवास सिंह
आकार:१४०×२१६ मि.मी.

पर्यावरण और प्रदूषण
डॉ० दयाशंकर त्रिपाठी
ISBN 81-7769-657-2
आकार:१४०×२१६ मि.मी.

www.pilgrimsbooks.com

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

हिन्दी की शीघ्र प्रकाश्य पुस्तकें

खाना खजाना
(शाकाहारी व्यंजन)
सन्तोष राणा
आकार:१५२×२२८ मि.मी.

खाना खजाना
(मांसाहारी व्यंजन)
सन्तोष राणा
आकार:१४०×२१६ मि.मी.

दिन रात
विनोदशंकर व्यास
आकार:१२१×१७८ मि.मी.

जीवन यात्रा
श्रीनिवास सिंह
आकार:१४०×२१६ मि.मी.

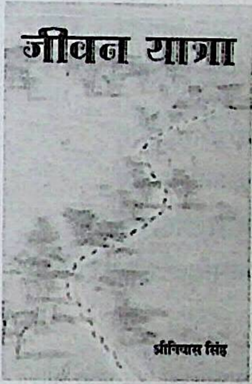

ह्वेनसांग की भारतयात्रा
ठाकुर प्रसाद शर्मा
ISBN 81-7769-485-5
आकार:१४०×२१६ मि.मी.

संजीवनी बूटी
स्वामी सत्यदेव परिव्राजक
आकार:१२१×१७८ मि.मी.

www.pilgrimsbooks.com

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

हिन्दी की शीघ्र प्रकाश्य पुस्तकें

रामायण

रामचरित मानस	गोस्वामी तुलसीदास
विनयपत्रिका	गोस्वामी तुलसीदास
गीतावली	गोस्वामी तुलसीदास
कवितावली	गोस्वामी तुलसीदास
दोहावली	गोस्वामी तुलसीदास
छप्पयरामायण और वैराग्यसंदीपिनी	संत तुलसीदास जी

महाभारत

योगेश्वर कृष्ण	चमूपति
श्रीमद् भागवत् (हिन्दी)	पं० रूपनारायण पाण्डेय

बौद्ध दर्शन

बौद्ध-महातीर्थ	तथागत भिक्खु
जातक कथायें	तथागत भिक्खु
बौद्ध-महातीर्थ	तथागत भिक्खु
काशी और सारनाथ	तथागत भिक्खु

संत जीवन चरित्र

काशी के एकादश संत	गोपाल ठाकुर
अघोराचार्य बाबा कीनाराम	गोपाल ठाकुर
बाबा गोरखनाथ जी	गोपाल ठाकुर
बाबा वामाखेपा	गोपाल ठाकुर
रामकृष्ण परमहंस	गोविन्द अग्रवाल
संत विवेकानन्द	गोविन्द अग्रवाल
बाबा विशुद्धानन्द	पं० गोपीनाथ कविराज
बाबा भास्करानन्द	पं० गोपीनाथ कविराज
अघोरेश्वर बाबा भगवान् रामजी	अरुण कुमार सिंह
भगवान् गौरांग जी की लीला	बृजभूषण दास

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्रेरक जीवन चरित्र

आदिशक्ति सीताजी	कुंवर हनुमन्त सिंह
रामभक्त हनुमान	पिलग्रिम्स पब्लिशिंग
राजर्षि भीष्म-पितामह	स्वामी सत्यदेव परिब्राजक
मतवाली मीरा	श्री प्रभुदत्त ब्रह्मचारी
शूरवीर छत्रसाल	प्रताप शास्त्री
नेताजी सुभाषचन्द्र बोस	सुरेश्वर घोष
अमर सेनानी भगत सिंह	बच्चन सिंह
चन्द्रशेखर आजाद	गोपाल ठाकुर
छत्रपति शिवाजी	ज्वालादत्त शर्मा
वीर कुंवर सिंह	गोपाल ठाकुर
टीपू सुल्तान	बच्चन सिंह

चाणक्य नीति

युगपुरुष चाणक्य	गोपाल ठाकुर
चाणक्य नीति-सूत्र	गोपाल ठाकुर
पंचतंत्र	विष्णुगुप्त
कौटल्य की शासनपद्धति	भगवान दास केला

काम-कला

कामसूत्र	अनुवादक-रामसिंहासन त्रिपाठी
कश्मीरी कोकशास्त्र	हकीम भक्तराम

संगीत

गीत सूत्रसार	कृष्णधन बनर्जी, अनु०-डॉ० लिपिका दासगुप्ता बोस
रस तत्व विमर्श	डॉ० संगीता घोष
संगीत प्रश्न पंजिका	जगदीश नारायण पाठक
समर सार	श्री वासुदेव गुप्तेन

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

संगीत सुधा-सागर	प्राणकृष्ण चट्टोपाध्याय
सितार दर्पण	मनीराम वस्ताद
तबला वादन	मास्टर मदन मोहन 'आनन्द'
अष्टछाप के वाद्ययंत्र	श्री चुन्नीलाल 'शेष'
ताल-दीपिका (तबला)	मन्नू जी मृदङ्गाचार्य
ध्रुपद-स्वरलिपि	श्रीहरिनारायण मुखोपाध्याय

मोटीवेशन

आशा की नयी किरणें	डॉ० रामचरण महेन्द्र

योग

पातंजलि योगसूत्र	पिलग्रिम्स पब्लिशिंग प्रस्तुति
बालोपयोगी योगासन	पिलग्रिम्स पब्लिशिंग प्रस्तुति

गीतगान

आल्हा शौर्य गाथा	जगनिक
उमर ख़ैयाम की रुबाइयाँ	पं० बलदेव प्रसाद मिश्र
दूब के तिनके	विजेन्द्र
यह मेरा सच है	अजय मिश्र
शुभकामनाओं का मौसम (व्यंग्य)	अजय मिश्र

उपन्यास और कहानी-संग्रह

कुछ विरोधी कण-समूह	विष्णुचन्द्र शर्मा
कोमल	बलदेव प्रसाद मिश्र
गुदड़ी बाजार की प्रेमिका	बलदेव प्रसाद मिश्र
प्रायश्चित	बलदेव प्रसाद मिश्र
शृंगार	बलदेव प्रसाद मिश्र
भोज और कालिदास	बाबू स्वरूपचन्द्र जैन
सिंहासन बत्तीसी	लल्लूजी लाल कवि

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आयुर्वेद

आयुर्वेदिक चूर्ण	वैद्य दत्तराम माथुर
आयुर्वेदिक क्वाथ	वैद्य दत्तराम माथुर
आयुर्वेद और असाध्य रोग	वैद्य दत्तराम माथुर
गुणकारी आँवला	डा० गंगाप्रसाद गौड़
गुणकारी नीम	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
गुणकारी अदरक एवं सोंठ	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
गुणकारी नींबू	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
गुणकारी हल्दी	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
गुणकारी श्रीफल, नींबू और जामुन	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
गुणकारी मसालें	पिलग्रिम्स प्रस्तुति

इतिहास

मेवाड़ेश्वर प्रताप	नन्दकुमार देव शर्मा
आजाद हिन्द फौज की अमर कहानी	रतनलाल बंसल
नाज़ी जर्मनी	कन्हैयालाल वर्मा

इस्लाम

क़ुरान-सार	राहुल सांकृत्यायन

ज्योतिष

रावण-संहिता	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
लाल किताब	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
सामुद्रिक विज्ञान	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
बृहज्ज्योतिःसार	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
मानसागरी	पिलग्रिम्स प्रस्तुति

पूजन-अर्चन

मां सति का अंगपीठ	गोपाल ठाकुर
मां वैष्णव देवी	पिलग्रिम्स प्रस्तुति

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

हिन्दी की शीघ्र प्रकाश्य पुस्तकें

मां कामाख्या देवी	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
मां पार्वती	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
मां कन्याकुमारी	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
बालाजी तिरुपति	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
श्रीयंत्र	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
शिवमहिम्न स्तोत्र	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
श्रीशिव उपासना	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
श्रीविष्णु उपासना	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
श्रीगणेश उपासना	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
श्रीराम उपासना	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
श्रीबटुकभैरव उपासना	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
मां अन्नपूर्णा उपासना	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
मां महाकाली उपासना	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
मां महालक्ष्मी उपासना	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
मां सरस्वती उपासना	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
मां दुर्गा सप्तशती	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
गंगा उपासना	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
श्रीहनुमत् उपासना	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
दत्तात्रेय उपासना	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
सूर्य सहस्रनामावलि	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
विष्णु सहस्रनामावलि	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
शिव सहस्रनामावलि	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
गणेश सहस्रनामावलि	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
देवी सहस्रनामावलि	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
शिवताण्डव स्तोत्र	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
काल भैरवाष्टकम्	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
ब्रह्म नामावलि	पिलग्रिम्स प्रस्तुति

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

दण्ड पाण्यांष्टक	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
महामृत्युंजय स्तोत्र	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
नवग्रह स्तोत्र	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
शाबरमंत्र	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
नित्यकर्म पद्धति	पिलग्रिम्स प्रस्तुति
हिन्दू व्रत और त्योहार	पिलग्रिम्स प्रस्तुति

दस महाविद्या

मां महाकाली उपासना	गोपाल ठाकुर
मां भगवती तारा उपासना	गोपाल ठाकुर
मां भगवती षोड्षी उपासना	गोपाल ठाकुर
मां भगवती भुवनेश्वरी उपासना	गोपाल ठाकुर
मां भगवती छिन्नमस्ता उपासना	गोपाल ठाकुर
मां भगवती त्रिपुरभैरवी उपासना	गोपाल ठाकुर
मां भगवती धूमावती उपासना	गोपाल ठाकुर
मां भगवती बंगलामुखी उपासना	गोपाल ठाकुर
मां भगवती मातङ्गी उपासना	गोपाल ठाकुर
मां भगवती कमला उपासना	गोपाल ठाकुर

प्राचीन एवं दुर्लभ सदुपयोगी संस्कृत, हिन्दी एवं अंग्रेजी
की पुस्तकें, विशेष छूट की सस्ती पुस्तकें और
हस्तकला आदि विक्रय हेतु वाराणसी (उ.प्र.),
नई दिल्ली और पाटन एवं काठमाण्डू (नेपाल) स्थित
हमारी चार दुकानें वर्तमान समय में
पाठकों की सेवा में निरन्तर सक्रिय हैं।

www.pilgrimsbooks.com

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पुस्तक सूची-पत्र

अ

अभिनन्दन, ४३
अगनइयाँ, २९
अघोरेश्वर भगवान् राम की अमृतवाणी, ९
अहिंसा, २७
अहिंसा ही शांति, २७
अहिल्याबाई होलकर, ३८
अलिफ लैला, ७
अनंगरंग, २४
अज्ञात की ओर, ४९

आ

आदर्श जीवन, ३४
आरोग्य कुंजी, १६
आरती, ४७

इ

इब्नबतूता की भारतयात्रा, २०

ई

ईसा मसीह की अमृतवाणी, ८

उ

उद्धव-शतक, २८

ए

एक सूर्य यह भी, २९

क

कथा-प्रथा कहानियां, २२
कविरत्न मीर, ३०
कबीर की अमृतवाणी, ९
काशी का साह घराना, २१
काशी की हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास,२
काशीपूजन यात्रा, १२
काशी मोक्षविवेक, १२
काम कथा, २४
केरलमत प्रश्नसंग्रह, ३१

ख

खाना खज़ाना (शाकाहारी व्यंजन) ५१
खाना खज़ाना (मांसाहारी व्यंजन) ५१
खाली हाथ शाम, २३

ग

गंगा सहस्रनामावलि:, १४
गांधी और विश्वशांति, २६
गांधीवाद की सार्थकता, २६
गायत्रीभाष्य, १४
गीता का अर्थ, २७
गीत गोविंदानन्द, २८
गीतांजलि, ४७
ग्रहभाव फलादेश, ३२
ग्रहों का प्रभाव, ३२
गुरु नानक की अमृतवाणी, ९
गुरु गोविन्द सिंह, ३७
गुलिस्ता, ४८

घ

घाघ भड्डुरी, ३३

च

चन्दामामा, २५
चमत्कारी औषधियां, १५

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

चारो धाम, १३
चेतसिंह और काशी का विद्रोह, ४९
चौरासी आसन, ४२

छ

छत्रपति शिवाजी, ३६

ज

जल चिकित्सा, १५
जनाब मुहम्मद रसूलुल्लाह का जीवन चरित्र, १८
जीवन का मर्यादा पथ, ३४
जीवन का सद्व्यय, ३५
जीवन यात्रा, ५१
जिनचरित, ४
ज्योतिष के मूलतत्व, ३१

ड

डॉ० बर्नियर की भारतयात्रा, १९
डायनैटिक्स : एक विज्ञान के विकास की कहानी, ३

त

तत्त्वबोधः, ११
तारे-सितारे, २५
तीन कदम में दुनियाँ जीतो, ३
तुलसी : एक औषधि अमृत, १६

द

दहेज, २२
दिन रात, ५१

ध

धम्मपद, ३९

न

नमाज़ रोज़ा, १८
नेपथ्य, १०

प

पंचांग, ३१
पवित्र क़ुरान : परिचय एवं सिद्धान्त, ४
पर्यावरण और प्रदूषण, ५०
पर्यावरण और जन स्वास्थ्य, ५०
पेट्रोल : आसान है किमत गिराना, ४३
प्राणायाम, ४२
पैगम्बर मुहम्मद की अमृतवाणी, ८
पृथ्वीराज चौहान, ३६

फ

फाहियान की भारतयात्रा, २०

ब

ब्रह्मचर्य, २७
ब्रह्मचर्य ही जीवन, ४४
ब्रह्मविद्या, १३
बापू के आश्रम में, २६
बालहितोपदेश, ३५
बालरोग विज्ञान, १७
बुद्ध और हिन्दूधर्म, ४०
बुद्ध संदेश, ४०

भ

भगवान् बुद्ध (नाटक), ३९
भगवान् बुद्ध की अमृतवाणी, ८
भविष्य दर्पण, ३२
भवितव्यता, २३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

भारत डॉट कॉम विश्वगुरु, ७
भारत के विविध संग्रहालय, ६
भारतीय पत्रकारिता का व्योम, ४८
भारत में जल प्रबंधन, ४९
भाषा भी : साहित्य भी, ४५
भोजन ही अमृत, ४४

म

महात्मा बुद्ध (नाटक), ३९
महावीर की अमृतवाणी, ८
मां शारदा की अमृतवाणी, ५०
महाराणा प्रताप, ३६
महापुरुषों की अमृतवाणी, ९
महात्मा गांधी की अमृतवाणी, ९
मनुष्य के कर्तव्य, ४९
महिलाओं पर अपराध, ५०
मट्ठा और छाछ का उपयोग, १७
मीराबाई, ३८
मेरा जीवन संग्राम, १९
मुक्त जीवन की ओर, ४९

य

योग साधना, ४१
योगासन, ४१
योग आसन और स्वास्थ्य, ५
योगवाशिष्ठ रामायण, ११
योगवाशिष्ठ दर्शन, ११
यौगिक एवं संगीत चिकित्सा, ५

र

राविया, ३८
राह रौ, १०

ल

लोई का ताना, ५०
लोचनकृत राग तरङ्गिणी, ४७

व

वृहत्पाकावलिः, १५

श

श्रीहनुमानबाहुक, १३
शनि की साढ़ेसाती, ३३
शिशु चिकित्सा, १६
शिरडी के साई बाबा की अमृतवाणी, ९
श्रीकृष्णोपदेश, २८
श्रीकृष्ण की अमृतवाणी, ८
श्रीमद्भगवद्गीतारहस्य अथवा कर्मयोगशास्त्र, १
श्रीमती क्यूरी, ३५
श्रीराम की अमृतवाणी, ८
श्रीसप्तशती गीता (दुर्गा), ४७
श्री हनुमान विजय, ४७
श्रृंगार शतक, ४८
शिवा बावनी, ४८

स

सकारात्मक विचारों के चमत्कार, ३४
संग्रहालय दर्पण, ६
सत्याग्रह, २७
सचित्र मीडिया शब्दावली, २
समाज सुधारक सन्त कबीर दास, ७
सज़ल आँखों के कोने से, ४७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

संजीवनी बूटी, ५१
समाचार सम्पादन, ४८
सरल व्यायाम, ४२
सफ़ीना, १०
स्वर दर्शन, ४४
साईं भजनावली, २९
साईं बुल्लेशाह की अमृतवाणी, ५०
साई अवतार, ३७
साई नाम सुखदाई, ३७
सुख स्वरूपम्, १४
सुयेनच्वांग की भारतयात्रा, २०
सुस्मिना, २२
सूर्यभेदन व्यायाम, ४१
सूर्य और पृथ्वी, २५
सो कासी सेइअ कस न, ४३
सृजनात्मक स्वर ज्ञान, ४०

ह

हजरत मुहम्मद और इस्लाम, १८
हम और हमारा भारतीय
फलित ज्योतिष, ४८
हम होंगे कामयाब, ४९
ह्वेनसांग की भारतयात्रा, ५१
हनुमत् ज्योतिष, ३३
हिन्द स्वराज, २७
हिन्दूतीर्थ, १२
हिन्दू विधिविवेक, १

नेपाली भाषा की पुस्तकें

प्रजातन्त्र र जनआवाज, ४६
सङ्गीतको विस्तृत अवलोकन, ४६
उम्लिएका पीडाहरु (कविता संग्रह), ४६

उपभोक्ता सेवा

पुस्तकों के सम्बन्ध में अगर आपके समक्ष किसी भी प्रकार की समस्या हो तो फैक्स एवं इमेल पर हमें शीघ्र ही आवश्यक संदेश एवं निर्देश भेजें–

पिलग्रिम्स बुक हाउस
बी० 27/98-ए-8, दुर्गाकुण्ड,
वाराणसी-221010
फोन- (91-542) 2314060
फैक्स-(91-542) 2312456
email-pilgrims@satyam.net.in

www.pilgrimsbooks.com

पिलग्रिम्स बुक हाउस
पो० बा० नं०-3872,
थमेल, काठमाण्डु, नेपाल।
फोन-(977-1) 4700516, 4700942,
4700919
फैक्स-(977-1) 4700943
email-pilgrims@wlink.com.np

पिलग्रिम्स बुक हाउस
2391, तिलक स्ट्रीट, चूना मण्डी, पहाड़गंज,
नई दिल्ली-110055
फोन-91-11-23584015, 23584019
फैक्स-91-11-23584019
e-mail-pilgrimsinde@gmail.com

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

PILGRIMS

पिल्ग्रिम्स सेवायें

• पुस्तक विक्रेता • वितरक • प्रकाशक • मुद्रक • कला और संस्कृति
• अध्यात्मिक सत्संग • योग ध्यान • शाकाहारी भोजनालय

अध्यात्मिक और योग ध्यान केन्द्र

मकान नं. 2391, द्वितीय तल,
तिलक स्ट्रीट, चूना मण्डी, पहाड़गंज
नई दिल्ली-110055, भारत
मोबाइल नं. : 9310717639

पिल्ग्रिम्स फिड-एन-रीड रेस्ट्रां एवं बार

पो. बॉक्स. 3872
थमेल, काठमाण्डू, नेपाल
फोन : [977-1] 4700942 ext. 33

पिल्ग्रिम्स फाउण्डेशन फॉर आर्ट एण्ड कल्चर

मकान नं. 2391, तृतीय तल,
तिलक स्ट्रीट, चूना मण्डी, पहाड़गंज
नई दिल्ली-110055. भारत
मो. : 9911259584, 9911021095

पिल्ग्रिम्स पब्लिशिंग

बी. 27/98-ए-8, नवाबगंज रोड, दुर्गाकुण्ड,
वाराणसी-221001
फोन- [91-542] 2314060
फैक्स-[91-542] 2312456
pilgrims@satyam.net.in

पिल्ग्रिम्स मार्केटिंग

बी. 27/98-ए-8, नवाबगंज रोड,
दुर्गाकुण्ड, वाराणसी
थोक आर्डर के लिये
pilgrimssales@sifi.com
E-commerce & Online Marketing
pilgrimsmarket@sify.com

पिल्ग्रिम प्रेस प्रा. लि.

एसए-3/35 लालपुर,
पाण्डेयपुर, वाराणसी-221002
फो. [91-542] 2501085
pilgrimpress@sify.com

पिल्ग्रिम्स बुक हाउस

काठमाण्डू	पाटन	वाराणसी	दिल्ली
पो. बॉक्स. 3872 थमेल, काठमाण्डू, नेपाल फो. [977-1] 4700942 4700516, 4700919 फै. [977-1] 4700943 pilgrims@wlink.com.np	पो. बॉक्स. 3872 कोपुन्डोल ललितपुर, नेपाल फो. [977-1] 5521159 5543956 pilgrims_Patan@wlink.com.np	बी. 27/98-ए-8, नवाबगंज रोड, दुर्गाकुण्ड, वाराणसी फो[91-542]2314060 फै.[91-542]2312456 pilgrimsbooks@sify.com	दूकान नं. 1625, राजगुरु रोड चूना मण्डी, पहाड़गंज नई दिल्ली-110055 फो[91-11] 23584015 23584019 pilgrimsindc@gmail.com

नवीन सूचनाओं की जानकारी के लिये सम्पर्क करें—
www.pilgrimsbooks.com • www.pilgrimsonlineshop.com

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पिलग्रिम्स पब्लिशिंग तथा प्रकाशित अन्य पुस्तकों के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी के लिये हम लोगों के वेबसाइट www.pilgrimsbooks.com पर आवश्यक जानकारी प्राप्त करें तथा डाक द्वारा विषय सूची मंगाने के लिये निम्नलिखित पते पर सम्पर्क करें—

प्रकाशन कार्यालय—
पिलग्रिम्स पब्लिशिंग
बी० २७/९८ ए-८, दुर्गाकुण्ड,
वाराणसी-२२१०१०
फोन- (९१-५४२) २३१४०६०
फैक्स-(९१-५४२) २३१२४५६
Email-pilgrims@satyam.net.in

क्रय-विक्रय के आदेश हेतु—
Email-pilgrimssales@sify.com
फोन- (९१-५४२) ६५४४०६०

पिलग्रिम्स बुक हाउस (वितरक भारत)
बी० २७/९८ ए-८, दुर्गाकुण्ड,
वाराणसी-२२१०१०
फोन- (९१-५४२) २३१४०६०
फैक्स-(९१-५४२) २३१२४५६
Email-pilgrims@satyam.net.in

नई दिल्ली
पिलग्रिम्स बुक हाउस
२३९१, तिलक स्ट्रीट, चूना मण्डी
पहाड़गंज, नई दिल्ली-११००५५
फोन-९१-११-२३५८४०१५
फैक्स-९१-११-२३५८४०१९
E-mail-pilgrimsinde@gmail.com

www.pilgrimsbooks.com
www.pilgrimsonlineshop.com

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi